twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 16 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 240, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

शुभांशु ने रचा इतिहास, धरती पर हुई सेफ लैंडिंग

स्पेस स्टेशन में 18 दिन रहकर लौटे शुभांशु: स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग कैलिफोर्निया के तट पर हुई

नई दिल्ली/एजेंसी

आईएसएस पर पहली बार भारत का परचम लहराकर 140 करोड़ से अधिक भारतीयों का स्वाभिमान सातवें आसमान पर पहुंचाने वाले गगनयात्री शुभांशु शुक्ला ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा के बाद वापस लौट आए हैं। ये भारत के नागरिकों के लिए एक भावुक करने वाला पल है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिनों तक रहने के बाद शुभांशु एक्सिओम-4 मिशन के अपने तीन सहयोगी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ आज दोपहर 3:01 बजे प्रशांत महासागर में कैलिफोर्निया तट पर उतरे। आईएसएस से धरती के बीच वापसी में शुभांशु और उनके सहयोगियों को कुल 22 घंटों का वक्त लगा। स्पेसएक्स का क्रू ड्रैगन अंतरिक्षयान सोमवार को आईएसएस से अलग हुआ। शुभांशु शुक्ला के साथ लौटने वाले अतरिक्ष यात्रियों में कमांडर पैगी व्हिट्सन, मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुभांशु की वापसी पर सोशल मीडिया पर कहा, "मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का उनकी ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा से पृथ्वी पर वापसी के लिए स्वागत करता हूं। शुभांशु ने अपने समर्पण, साहस से अरबों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपनी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन- गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है।

सभी भारतीयों को शुभांशु पर गर्व: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी शुभांशु की वापसी पर पोस्ट शेयर किया है। राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, "मिशन के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक वापसी पर सभी भारतीयों को गर्व है। उन्होंने सिर्फ अंतरिक्ष को नहीं छुआ है बल्कि वो भारत की आकांक्षाओं को भी नई ऊंचाईयों पर लेकर गए हैं। कर में जाकर वापस आना सिर्फ उनके लिए मील का पत्थर नहीं है बल्कि यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है। भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।"

ये हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण: शुभांशु के पिता

लखनऊ/एजेंसी

भारतीय सेना के ग्रुप कैप्टन लखनऊ निवासी शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अपना मिशन पूरा कर वापस लौट आए हैं। मंगलवार को अपराह्न तीन बजे उनका यान कैलीफोर्निया के तट पर उतरा। अंतरिक्ष यान के सकुशल लैंड करते ही उनके माता-पिता भावुक हो गए। उन्होंने इस दौरान लैंडिंग का सजीव प्रसारण देखा।

लखनऊ के सीएमएस स्कूल में पहले से ही इसके लिए इंतजाम किए गए थे। शुभांशु की मां आशा देवी और पिता शंभू दयाल शुक्ला भावुक हो गए। मां बोलीं ये हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है।

बहन शुचि मिश्रा ने कहा, "वो वापस आ गए हैं। यह पूरे देश के लिए बहुत गौरव का क्षण है...हम बहुत उत्साहित हैं। शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा, "मैं इस चीज को शब्दों में बयान नहीं कर सकती हूं। जब लैंड हो रहा था तब बस थोड़ा डर लगा था लेकिन सब अच्छे से हो गया है ईश्वर साथ में हैं, उन्होंने उसे वहां पहुंचाया था और उन्होंने ही उसे सुरक्षित लैंड कराया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है।"

भारत ने आज अंतरिक्ष की दुनिया में सचमुच एक स्थायी स्थान प्राप्त कर लिया: डॉ. जितेन्द्र सिंह

नई दिल्ली/एजेंसी

एक्सिओम-4 मिशन को सफलतापूर्वक पूरा कर धरती पर सकुशल वापसी पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के साथ पूरी टीम को बधाई दी है। अनुसंधान भवन में मंगलवार को आयोजित स्पलैशडाउन की लाइव कवरेज में मौजूद डॉ. जितेंद्र सिंह ने उनकी सुरक्षित वापसी पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि भारत ने आज अंतरिक्ष की दुनिया में सचमुच एक स्थायी स्थान प्राप्त कर लिया है। यह भारत के लिए गौरव का क्षण है क्योंकि हमारा एक यशस्वी सपूत एक सफल यात्रा पूरी करके वापस लौटा है। यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में पिछल 18 दिनों में एक्सिओम-4 मिशन की टीम ने कई महत्वपूर्ण प्रयोग किए। भारत का एक यशस्वी पुत्र एक सफल यात्रा से लौटा है जिसने आने वाली पीढ़ियों के लिए सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में अभूतपूर्व जीवनदायी प्रयोग किए। डॉ. सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष यान कैलिफोर्निया के समुद्र तट पर सफलतापूर्वक उतरा। शुभांशु शुक्ला समेत चारों अंतरिक्ष यात्री छह दिनों तक चिकित्सकों की निगरानी में रहेंगे। 23 जुलाई के बाद वे विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे और नासा, स्पेस एजेंसियों के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे और अंतरिक्ष में किए गए प्रयोगों के बारे जानकारी देंगे।

डॉलर की तुलना में 18 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली/एजेंसी

डॉलर इंडेक्स की मजबूती के बावजूद स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा की गई लिवाली के कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 18 पैसे उछल कर 85.81 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 85.99 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 3 पैसे की बढ़त के साथ 85.96 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरूआत की थी।

पद्म पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

नई दिल्ली/एजेंसी

गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिशें आमंत्रित की गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बयान जारी कर बताया कि ऑनलाइन नामांकन की प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो चुकी है और इच्छुक नागरिक 31 जुलाई तक अपना नामांकन या सिफारिश राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं। मंत्रालय के अनुसार, नामांकन के साथ एक संक्षिप्त विवरण और अधिकतम 800 शब्दों का विवरणात्मक उद्धरण देना आवश्यक है।

गोल्डन टेंपल को लगातार दूसरे दिन मिली बम से उड़ाने की धमकी

अमृतसर/एजेंसी

श्री हरि मंदिर साहिब को मंगलवार की दोपहर फिर एक बार आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए दी गई है। सोमवार को भी ईमेल के के जरिए ही धमकी दी गई थी। सीपी गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। हालांकि कल ही इसे लेकर केस दर्ज कर लिया गया था। पुलिस इसे लेकर किसी तरह का लापरवाही नहीं बरतना चाहती।

ईडी की शक्तियों को लेकर समीक्षा याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने आदेश दिया कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शक्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई करेगा। मंगलवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि इस मामले पर दलीलें रखने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उपलब्ध नहीं हैं। उसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई 31 जुलाई को करने का आदेश दिया। इसके पहले सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल

सिब्बल ने कहा था कि जुलाई, 2022 के आदेश में कई गलतियां हैं जिन पर दोबारा विचार करने की जरुरत है। जस्टिस उज्जवल भूईयां ने कहा था कि कोर्ट ने जिन दो मामलों की पहचान की थी उन पर विचार करने की जरुरत है। जस्टिस सीटी रवि कुमार ने कहा था कि कोर्ट को ये सुनिश्चित करना होगा कि पुनर्विचार याचिका अपील का शक्ल न लें। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कोई गड़बड़ी नहीं है। पुनर्विचार याचिका दायर करने वालों में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 24 अगस्त, 2022 को पुनर्विचार याचिका पर खुली अदालत में सुनवाई करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 27 जुलाई, 2022 को अपने फैसले में ईडी की शक्ति और गिरफ्तारी के अधिकार को बहाल रखने का आदेश दिया था।

कांवड़ मार्ग पर दुकानदारों को क्यों लगाना होगा क्यूआर कोड?

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी-उत्तराखंड सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर खाने-पीने का सामान बेचने वाले दुकान मालिकों के नाम उजागर करने वाले क्यूआर कोड दिखाने के यूपी सरकार के दिशा-निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है।

जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 22 जुलाई को करने का आदेश दिया। याचिका प्रोफेसर अपूवार्नंद ने दायर की है। याचिका में यूपी प्रशासन की ओर से 25 जून को जारी किए गए उस दिशा-निर्देश को चुनौती दी गई है जिसमें कांवड़ मार्ग पर खाने-पीने का सामान बेचने वाले दुकान मालिकों का नाम उजागर करने वाले क्यूआर कोड का डिस्प्ले अनिवार्य किया गया है। याचिका में कहा गया है कि यूपी सरकार के ऐसे ही आदेश पर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद यूपी सरकार ने क्यूआर कोड अनिवार्य करने का आदेश जारी किया है।

स्मार्ट कार्ड, आधुनिक बस स्टॉप और नए रूट से दिल्ली को मिलेगी नई परिवहन सुविधा

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली सरकार डीटीसी का कायाकल्प करने के उद्देश्य से एक व्यापक योजना लेकर आई है। उद्देश्य है कि डीटीसी लाभप्रद, अत्याधुनिक, कार्यकुशल और यात्री सुविधा केन्द्रित हो। इसके लिए डीटीसी बसों के रूट आईआईटी दिल्ली की सहायता से नए सिरे से तय किए जा रहे हैं। जल्द ही मेट्रो, डीटीसी और आरटीएस के लिए एकल स्मार्ट कार्ड भी जारी होगा। महिलाओं और ट्रांसजेंडरों के लिए विशेष पिंक कार्ड योजना शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में दिल्ली की परिवहन व्यवस्था को अत्याधुनिक और जनसुलभ बनाने का खाका तैयार किया गया। बैठक में परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह, मुख्य सचिव धर्मेन्द्र, आयुक्त निहारिका राय सहित अधिकारी शामिल हुए। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि डीटीसी के बेड़े में 4,800 ईवी बसें और 1,800 सीएनजी बसें हैं। इनमें देवी सेवा की लोकप्रियता उल्लेखनीय रही है। सभी बस डिपो को ईवी चार्जिंग और मेंटिनेंस सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य डीटीसी को घाटे से निकालकर राजस्व लाभ वाली संस्था बनाना है। रूट रेशनलाइजेशन के साथ नए स्मार्ट शेल्टरों का निर्माण प्राथमिकता है।

योजना के अंतर्गत एकीकृत स्मार्ट कार्ड व्यवस्था लागू की जाएगी, जिसके माध्यम से डीटीसी, मेट्रो और आरटीएस जैसी सेवाओं में एक ही कार्ड से यात्रा संभव होगी। साथ ही महिलाओं और ट्रांसजेंडरों के लिए पिंक कार्ड की भी घोषणा की गई है, जिसके जरिए वे डीटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी।

एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत ने दिया क्षेत्रीय सहयोग पर जोर

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत ने मंगलवार को चीन के तिआनजिन में आयोजित एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में वैश्विक अव्यवस्था, आर्थिक अस्थिरता और बढ़ते आतंकवाद पर चिंता जताई। पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए भारत ने सख्त कार्रवाई की जानकारी दी। भारत ने सहयोग, आपसी सम्मान, क्षेत्रीय अखंडता, सुरक्षित ट्रांजिट और अफगानिस्तान में विकास सहायता पर भी बल दिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने

बैठक के बाद एक्स पर बैठक से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने बैठक में कहा कि आज का वैश्विक परिदृश्य अस्थिरता, संघर्ष और आर्थिक संकट से ग्रस्त है। ऐसे समय में वैश्विक व्यवस्था को स्थिर करने और साझा चुनौतियों से निपटने के लिए सदस्य देशों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। विदेश मंत्री ने कहा कि विश्व बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ रहा है। एससीओ जैसे प्रभावी मंचों की भूमिका बढ़ रही है। ऐसे में वैश्विक घटनाक्रमों को आकार देने की क्षमता सदस्य देशों की आपसी एकजुटता और साझा एजेंडे पर निर्भर करेगी। जयशंकर ने कहा कि सदस्य देशों के बीच व्यापार, निवेश और संपर्क बढ़ाना आवश्यक है, परंतु इसके लिए एससीओ क्षेत्र के भीतर सुनिश्चित ट्रांजिट की सुविधा अपरिहार्य है।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की यमन में फांसी टली

नई दिल्ली/एजेंसी

यमन में हत्या के मामले में मौत की सजा पाने वाली केरल की निमिषा प्रिया की फाँसी को स्थगित कर दिया गया है। उसे कल यानी 16 जुलाई को फांसी दी जानी थी। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। उनके अनुसार भारत सरकार इस जटिल मामले से शुरू से ही सक्रिय रूप से जुड़ी रही है और निमिषा प्रिया के परिवार को व्यापक सहायता प्रदान कर रही है। हाल के हफ्तों में भारतीय अधिकारियों ने परिवार को विरोधी पक्ष के साथ पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तक पहुँचने के लिए अतिरिक्त समय पर बातचीत करने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। सूत्रों का कहना है कि स्थिति की नाजुक प्रकृति के बावजूद भारतीय राजनयिकों ने स्थानीय जेल अधिकारियों और अभियोजक कार्यालय के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा है। इसने फांसी टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पंजाब विधानसभा में पारित नहीं हो सका पवित्र ग्रंथों की बेअदबी रोकथाम विधेयक

विधानसभा में कई घंटे की बहस के बाद सिलेक्ट कमेटी को भेजा गया ड्राफ्ट

चंडीगढ़/एजेंसी

पंजाब सरकार ने प्रदेश में हो रही बेअदबी की घटनाओं में कठोर सजा के लिए विधानसभा में पेश किया बिल पास नहीं हो सका। सदन में कई घंटे की चर्चा के बाद विधानसभा ने विधेयक को सलेक्ट कमेटी के पास भेज दिया गया। अब यह बिल अगले सत्र में पेश किया जाएगा। पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से सोमवार को पंजाब पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराध रोकथाम विधेयक-2025 पेश किया गया

था। विपक्ष की मांग पर स्पीकर ने मंगलवार को इस विधेयक पर बहस शुरू करवाई। सदन में बहस शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले भगवंत मान व आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने 24 घंटे में बेअदबी के दोषियों को सजा देने का ऐलान किया था, लेकिन आज 27 हजार 456 घंटे अथवा 1144 दिन के बाद सरकार सदन में यह बिल लेकर आई है। बाजवा ने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय में भी वर्ष 2018 में ऐसा ही बिल पारित किया गया था जो आजतक राष्ट्रपति के पास विचाराधीन है। बाजवा ने सरकार को पूर्व आईपीएस कुंवर विजय प्रताप की रिपोर्ट पर घेरते हुए कहा कि आज वह न तो सदन में हैं, न ही आम आदमी पार्टी में हैं। बाजवा ने सरकार के पेश किए गए विधेयक में ढेरों खामियां होने का दावा करते हुए कहा कि वर्तमान में बेअदबी केसों की जांच दस वर्ष से चल रही है। नए कानून में जांच का समय 30 दिन किया जाए। इसके बाद जरूरत पड़? पर केवल 15 दिन बढ़ाया जाए। इसके बाद तीसरी बार समय बढ़ाने से पहले डीजीपी अपनी रिपोर्ट दें। उन्होंने कहा कि बेअदबी मामलों की गलत जांच करने वाले पुलिस अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया जाए। प्रदेश में अगर कोई धार्मिक प्रदर्शन हो रहा है तो पुलिस उसमें असली गोली की बजाए प्लास्टिक बुलेट का इस्तेमाल करे। सदन में इस विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा तथा वित्त मंत्री हरपाल चीमा के बीच जबरदस्त बहस हुई। स्पीकर ने खैहरा को चेतावनी दी। बहस में सरकार तथा विपक्ष के विधायकों ने अपनी-अपनी राय दी। अंत में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रस्ताव पर इसे सिलेक्ट कमेटी को भेज दिया गया। अब सिलेक्ट कमेटी इस बिल पर काम करते हुए सभी धार्मिक संस्थाओं और लोगों से राय लेगी। इसके लिए 6 महीने का समय तय किया गया है।

देश में सावन के पहले सोमवार की रही धूम, शिवालयों में हर-हर महादेव की गूंज

एजेंसी

नई दिल्ली। काशी, हरिद्वार और उज्जैन से लेकर सारे देश में आज सावन के पहले सोमवार की धूम है। लोग सुबह से पवित्र जलधाराओं में स्नान और डुबकी लगाकर देवों के देव महादेव का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक कर रहे हैं। शिवालयों और अन्य मंदिरों में शिव दर्शन के लिए कतार लगी हुई है। चहुं दिशाओं में हर-हर महादेव की गूंज हो रही है। भगीरथ की तपस्या से धरती पर उतरीं मां गंगा नदी के तटीय शहरों, कस्बों और गांवों के पवित्र घाटों में तड़के तीन-चार बजे से लोग डुबकी लगाकर भगवान शंकर को जल चढ़ा रहे हैं। इस बीच अमरनाथ तीर्थयात्रियों की दुर्गम यात्रा जारी है। दक्षिण के राज्य तमिलनाडु के मदुरै के थिरुपरनकुन्द्रम में सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में कुंभभिषेकम का आयोजन किया गया है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में क्षीरेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर रहे हैं। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर में तिल रखने की जगह शेष नहीं है। लोग धैर्य पूर्वक जलाभिषेक के लिए आगे बढ़ रहे हैं। सारे देश के शिवालयों में लगभग ऐसा ही दृश्य है। उत्तराखंड के हरिद्वार में मां गंगा में डुबकी लगा रहे हैं। यहां के दक्षेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। सबसे पहले बाबा को जल से स्नान कराया गया। इसके बाद दूध, दही, घी, शहद और फलों से पंचामृत अभिषेक किया गया। फिर बाबा की भस्म आरती की गई। इस दौरान मंदिर वैदिक मंत्रोच्चार, शंख, घंटियों और भजनों की ध्वनि से गूंज उठा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान शिव के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने से मंदिर में सुरक्षा बढ़ा दी गई। वाराणसी के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा कि कांवड़ तीर्थयात्रियों के लिए अलग मार्ग की व्यवस्था की गई है। मंदिर के आसपास के इलाकों में ड्रोन से निगरानी की जा रही है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मनकामेश्वर मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया है। गाजियाबाद के दूधेश्वर महादेव मंदिर में तड़के से ही जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु कतारबद्ध हैं। इसके अलावा ओडिशा में ख्यात रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने सावन के सोमवार की पूर्व संध्या पर पुरी के समुद्र तट पर रेत से भगवान शंकर की कलाकृति उकेरी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के नुनवान आधार शिविर से अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का 12वां जत्था रवाना हुआ है।

निमिषा प्रिया फांसी मामले में विजयन ने मोदी से हस्तक्षेप की माँग की

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने यमन में काम करने वाली केरल निवासी नर्स निमिषा प्रिया टॉमी थॉमस की जिंदगी बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप करने की माँग की है।

निमिषा को यमन में मौत की सजा सुनाई गयी है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में निमिषा मामले में भारतीय दूतावास को हर संभव तरीके से हस्तक्षेप करने का निर्देश देने का आग्रह किया। निमिषा को 16 जुलाई को फाँसी दी जानी है। श्री विजयन ने कहा कि निमिषा प्रिया की वृद्ध माँ अपनी बेटी की जान बचाने के लिए लगातार अपील कर रही हैं। श्री विजयन ने केन्द्र सरकार को छह फरवरी को लिखे अपने पहले पत्र में उसकी जान बचाने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था। गौरतलब है कि केरल के पलक्कड़ जिले की रहने वाली 38 वर्षीय निमिषा प्रिया, 2008 से यमन में नर्स के तौर पर काम कर रही थी। वहां निमिषा ने एक क्लिनिक खोला था, लेकिन यमन के कानून के तहत, किसी भी बाहरी व्यक्ति को यमन में कोई कारोबार करने के लिए वहां के किसी नागरिक को स्थानीय साझेदार रखना अनिवार्य है। निमिषा ने इस कारोबार में एक यमनी नागरिक तलाल अब्दो मेहदी को अपना साझेदार बनाया था। हालांकि उसने 2011 में शादी कर ली थी और वह अपने पति टॉमी थॉमस को अपने साथ् यमन ले गयी थी, मगर 2014 में वहां छिड़े गृहयुद्ध के कारण उसके पति अपनी बेटी के साथ केरल लौट आए, जबकि निमिषा यमन में ही रही। आरोपों के मुताबिक मेहदी ने उसके साथ धोखाधड़ी कर उसकी धनराशि हड़प ली और उसके साथ शादी का झूठा दावा भी किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इससे तंग आकर निमिषा ने जुलाई 2017 में कथित तौर पर अपने कारोबारी साझेदार मेहदी को खाने में नशीला पदार्थ देकर उसकी हत्या कर दी । इसके बाद उसने एक अन्य नर्स की मदद से उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। निमिषा को 2017 में मेहदी की हत्या का दोषी ठहराया और 2020 में फांसी की सुनाई गई । निमिषा की ओर से 2023 में की गयी अंतिम अपील खारिज कर दी गई। राष्ट्रपति ने भी उनकी अपील को खारिज कर दिया है।

बिहार में कानून व्यवस्था चौपट, एक करोड़ रोजगार देने का ऐलान सिर्फ छलावा: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बिहार की गठबंधन सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है। मुख्यमंत्री का एक करोड़ नौकरियां देने का वादा महज़ एक जुमला और चुनावी छलावा है। मायावती ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदहाल है। राज्य की घटनाओं पर राष्ट्रीय स्तर पर हो रही चर्चाओं के बीच लोगों का ध्यान भटकाने के लिए बिहार की गठबंधन सरकार ने घोषणा की है कि अगर चुनाव के बाद उनकी सरकार बनती है, तो वे अगले पांच सालों में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोज़गार देंगे। मायावती ने लिखा कि उनका मानना है कि नीतीश कुमार ने लोगों को नौकरी और रोज़गार देने की घोषणा वास्तविकता से कोसों दूर है। यह अच्छे दिन की तरह एक जुमलाबाज़ी और चुनावी जुमला ज़्यादा है। जनता विभिन्न राजनीतिक दलों के चुनावी वादों, घोषणाओं और छल-कपट के साथ-साथ कानून-व्यवस्था और क्रियाकलापों आदि के बारे में उनके चाल, चरित्र और चेहरे से भली-भांति परिचित हैद्य फिर भी छल-कपट और कपटपूर्ण राजनीति की अपनी आदत से मजबूर विपक्षी दल चुनाव से पहले ऐसे अनेक लोकलुभावन वादे करने से ज़रा भी नहीं डरते या घबराते हैं।उन्होंन कहा कि बिहार की वर्तमान गठबंधन सरकार का नौकरी और रोज़गार का वादा उनके अन्य वादों से कहीं अधिक मेल खाता है, जिसे जनता वास्तव में अपने अब तक के अनुभव के आधार पर जानती है। निश्चित रूप से बिहार की जनता सोच-समझकर एक गरीब-हितैषी और जन-हितैषी सरकार चुनेगी, बशर्ते चुनाव पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष हों, बाहुबल, धनबल और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से मुक्त हों। सभी गरीबों, मज़दूरों और अन्य मेहनतकश लोगों को मतदान का उचित अवसर मिले। उम्मीद है कि चुनाव आयोग इसका पूरा ध्यान ज़रूर रखेगा।

रोजगार के मुद्दों को लेकर प्रह्लाद जोशी ने राहुल पर साधा निशाना

हुबली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रोजगार और भर्ती के मुद्दों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और उन पर तथ्यों की पुष्टि किए बिना बयान देने का आरोप लगाया। श्री जोशी ने यहां संवाददाताओं से कहा,राहुल गांधी कभी भी विस्तार में नहीं जाते। वह केवल अपने सलाहकारों से मिली जानकारी के आधार पर प्रतिक्रिया देते हैं और व्यक्तिगत रूप से आंकड़ों की जांच नहीं करते। उन्होंने श्री गांधी से कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश जैसे कांग्रेस शासित राज्यों की वित्तीय और प्रशासनिक स्थिति पर आत्मनिरीक्षण करने का आग्रह किया और कहा कि कांग्रेस शासित ये तीनों राज्य बहुत खराब स्थिति में हैं। कर्नाटक की कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की तीखी आलोचना करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि वित्तीय तंगी के कारण राज्य दो लाख रिक्त पदों को भी भरने में विफल रहा है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, वे मौजूदा सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने की स्थिति में भी नहीं हैं। वेतन में 10 से 20 दिन की देरी हो रही है। जब वे अपने पास मौजूद संसाधनों का प्रबंधन ही नहीं कर पा रहे हैं, तो नए कर्मचारियों की नियुक्ति कैसे करेंगे।

योगी ने कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए

श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के सुचारु संचालन हेतु मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए श्रावण मास के दौरान उत्तर प्रदेश में संचालित हो रही कांवड़ यात्रा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह पवित्र यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न हो। इसके लिए शासन-प्रशासन पूरी सजगता, संवेदनशीलता और सक्रियता से कार्य करे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा

राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, चिकित्सा, पेयजल, भोजनालय, विश्रामालय और शौचालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महिला श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए उन्होंने विशेष निर्देश दिए कि महिला कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम हों तथा महिला पुलिस बल की प्रभावी तैनाती की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जाए। खुफिया तंत्र को पूरी सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ या अराजकता की कोशिश को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से जरूरी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए और शिव भजनों का प्रसारण सुनिश्चित हो, जिससे श्रद्धालु भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से जुड़ाव महसूस करें। मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं के स्वागत हेतु प्रमुख अवसरों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराने की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख स्थलों पर चिकित्सा शिविर, प्राथमिक उपचार केंद्र और एम्बुलेंस सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। खाद्य पदार्थों की शुद्धता को लेकर मुख्यमंत्री ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया कि वे खानपान सामग्री की गुणवत्ता और शुद्धता की नियमित जांच सुनिश्चित करें।

सुप्रीम कोर्ट 'उदयपुर फाइल्स' मामले पर शीघ्र सुनवाई को सहमत

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हिंदी फिल्म उदयपुर फाइल्स-कन्हैयालाल लाल टेलर मर्डर के रिलीज पर रोक लगाने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर शीघ्र सुनवाई के लिए सोमवार को सहमति व्यक्त की। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता गौरव भाटिया के शीघ्र सुनवाई के अनुरोध पर कहा कि इस मामले को एक या दो दिन में सूचीबद्ध किया जाता सकता है। अधिवक्ता ने विशेष उल्लेख के दौरान गुहार लगाते हुए कहा कि फिल्म रिलीज के लिए तैयार थी लेकिन उच्च न्यायालय ने उससे 12 घंटे पहले रोक लगा दी। फिल्म के निर्माता ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 10 जुलाई के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें रिलीज पर रोक लगा दी गई थी। उच्च न्यायालय ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद फिल्म की निर्धारित रिलीज (11 जुलाई) से एक दिन पहले रोक संबंधी आदेश पारित किया था। उच्च

न्यायालय के समक्ष याचिकाओं ने दलील देते हुए आरोप लगाया था कि फिल्म सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ है। साथ ही, यह मुस्लिम समुदाय को बदनाम करती है। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) प्रमाणपत्र के खिलाफ केंद्र सरकार के समक्ष पुनर्विचार याचिका दायर कर सकते हैं।

नाथू ला मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा: तीर्थयात्रियों ने की व्यवस्थाओं की तारीफ

एजेंसी

गंगटोक । नाथू ला मार्ग से हो रही कैलाश मानसरोवर यात्रा की तीर्थयात्री और अधिकारी काफी तारीफ कर रहे हैं। अधिकारियों का दावा है कि यात्रा को सुगम बनाने की दिशा में तैयारियों में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती गई है। सिक्किम पर्यटन विकास निगम (एसटीडीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राजेंद्र छेत्री का कहना है कि तीर्थयात्रियों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया इस बात का सबूत है कि यात्रा का आयोजन बेहद शानदार है। चौथा जत्था अपनी पवित्र यात्रा पूरी कर ल्हासा के लिए रवाना हो चुका है। वहीं, पांचवां जत्था इस समय शेरथांग में तिब्बत में प्रवेश की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा, तीर्थयात्री एसटीडीसी की सुविधाओं से बहुत खुश हैं। एक समय में तिब्बती क्षेत्र में दो जत्थे रहते हैं। एक प्रवेश करता है और दूसरा वापस लौटता है। पहले जत्थे में 36 तीर्थयात्री थे, जबकि बाकी में 45-48 यात्री शामिल हैं। प्रत्येक जत्थे के साथ विदेश मंत्रालय के दो संपर्क अधिकारी भी होते हैं। अंतिम जत्था 7 अगस्त को रवाना होगा, 12

अगस्त को तिब्बत में प्रवेश करेगा और 23 अगस्त तक भारत लौट आएगा। सभी तीर्थयात्रियों के 24 अगस्त तक स्वदेश लौटने की उम्मीद है। 2019 की पिछली यात्रा की तुलना में इस बार व्यवस्थाओं में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता और आवास की सुविधाओं में विशेष प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, इस साल चीनी अधिकारी भी बहुत सहयोग कर रहे हैं और उन्होंने बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया है। एक महिला तीर्थयात्री ने कहा, यह यात्रा ईश्वर की कृपा से ही संभव हुई। सब कुछ इतनी अच्छी तरह से प्रबंधित था कि हमें कोई परेशानी नहीं हुई। योगी जी ने स्वयं हमारा स्वागत किया और उपहार दिए, जिससे यात्रा की शुरुआत बहुत खास रही। उन्होंने कैलाश पर्वत के दर्शन को गहरा आध्यात्मिक अनुभव बताते हुए कहा, उस पल को याद करके आज भी मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मैं भारतीय और चीनी अधिकारियों के साथ-साथ पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी लोगों की आभारी हूं। यह यात्रा न केवल सुगम थी, बल्कि वास्तव में दिव्य थी। वहीं, पुणे के तीर्थयात्री रवि वर्मा ने भी इस अनुभव को शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा, लंबी चढ़ाई और ऊंचाई के बावजूद मुझे कोई दर्द नहीं हुआ।

बिहार में वज्रपात से नौ की मौत, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

एजेंसी

पटना । बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान वज्रपात से नौ लोगों की मौत हो गई। मौसम में हुए अचानक बदलाव के कारण पटना, गया, वैशाली और बांका सहित कई जिलों में गरज के साथ बारिश हुई। इस दौरान कई लोगों के घायल होने की भी खबर है। मृतकों की उम्र 12 से 65 वर्ष के बीच है। वज्रपात से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला बांका रहा, जहां चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोहकारा की 12 वर्षीय करीना कुमारी, अमरपुर के अनिल यादव, फुलदीदुमार की सुलेखा देवी और बेलहर के पशुपालक विजय यादव शामिल हैं। गया जिले में सूर्यमंडल चेकपोस्ट के पास तीन बाइक सवार पर बिजली गिरी। इस हादसे में अंकित कुमार और विकेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वकील मांझी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा, गया के मोहदा ब्लॉक में पशु चराने के दौरान रूपलाल यादव की बिजली गिरने से मौत हो गई।

राजधानी पटना के मोकामा में बिजली की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई। वहीं, पंडारक

में बिजली गिरने से एक भैंस मर गई। इसके अलावा, वैशाली जिले के चकमसूद गांव में बिजली गिरने से एक लड़की की मौत हो गई। बांका में जिलेबिया मोड़ के पास एक कांवड़िया किशोर भी बिजली की चपेट में आने से घायल हो गया। ज्यादातर घटनाएं रविवार शाम 5 बजे से रात 9 बजे के बीच हुईं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बिहार के लिए नया अलर्ट जारी किया है। गंगीय पश्चिम बंगाल और झारखंड के ऊपर चक्रवाती हवाओं के सक्रिय होने के कारण बिहार के मौसम में अस्थिरता बनी रहेगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे गरज और बारिश के दौरान घर के अंदर रहें और पेड़ों, बिजली के खंभों या खुले मैदानों में शरण लेने से बचें। किसानों और बाहर काम करने वालों को सलाह दी गई है कि वे इस दौरान सावधानी बरतें और कंक्रीट की इमारतों में शरण लें।

आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या में ट्रक पलटने से नौ मजदूरों की दर्दनाक मौत, 10 घायल

एजेंसी

अमरावती । आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में एक ट्रक पलटने से नौ मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। घायलों को राजमपेट के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दुर्घटना रविवार रात कडप्पा शहर से लगभग 60 किलोमीटर दूर पुल्लमपेटा मंडल के रेड्डी चेरुवु कट्टा में हुई। पुलिस के अनुसार, हादसे के वक्त ट्रक में 21 दिहाड़ी मजदूर आम की बोरियों के ऊपर बैठे थे। करीब 30-40 टन आमों से लदा ट्रक रेलवे कोडुरु बाजार जा रहा था। राजमपेटा मंडल के एसुकापल्ली और आसपास के गांवों में बगीचों से आम तोड़कर लाए गए थे। झील के बांध पर आम से भरा ट्रक पलट गया और उसके ऊपर

बैठे मजदूर नीचे दब गए। हादसे में बाल-बाल बचे ट्रक चालक ने पुलिस को बताया कि विपरीत दिशा से आ रही एक कार से टकराने से बचने की कोशिश में उसने नियंत्रण खो दिया और ट्रक झील के किनारे पलट गया।आठ मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। एक मजदूर को गंभीर स्थिति में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। इन मृतकों में पांच महिलाएं शामिल हैं। मृतकों की पहचान मुनिचंद्र (38), दुर्गा (32), लक्ष्मी देवी (36), रमण (42), श्रीनु (32), राधा (39), वेंकट सुब्बम्मा (37), चित्तम्मा (25) और सुब्बा रत्नम्मा (45) के रूप में हुई है। हादसे में 10 मजदूर घायल हो गए, जिन्हें राजमपेट के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ मजदूरों को गंभीर स्थिति के कारण कडप्पा रिम्स भेजा गया।

आंध्र प्रदेश के परिवहन मंत्री मंदीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने हादसे पर दुख जताया है। परिवहन मंत्री ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित किया जाए।

दिग्गज अभिनेत्री सरोजा देवी का 87 वर्ष की उम्र में निधन

एजेंसी

चेन्नई। तमिल सिनेमा ने एक महान हस्ती को खो दिया है। दिग्गज अभिनेत्री बी. सरोजा देवी का 87 वर्ष की उम्र में सोमवार को बेंगलुरु के मल्लेश्वरम स्थित उनके निवास पर उम्र से संबंधित बीमारियों के कारण निधन हो गया। सात जनवरी 1938 को बेंगलुरु में जन्मी सरोजा देवी दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग, विशेष रूप से तमिल और कन्नड़ सिनेमा में एक जाना-माना नाम थीं। छह दशकों से अधिक के अपने करियर में, उन्होंने लाखों प्रशंसकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी।सरोजा देवी ने अपने करियर में कन्नड़, तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषाओं में 200 से ज्यादा फिल्में की थीं। वह तमिल सिनेमा की प्रमुख अभिनेत्री थीं, जिन्होंने नडोडी मन्नन (1958), थाई सोल्लई थट्टाधे और एंगा वीट्टू पिल्लई जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में काम किया। उन्होंने एम.जी. रामचंद्रन के साथ लगातार 26 हिट फिल्में दीं। उन्होंने कम उम्र में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से जल्दी ही प्रसिद्धि हासिल की। उन्होंने कई प्रतिष्ठित फिल्मों में काम किया और अपने समय के दिग्गज अभिनेताओं के साथ जोड़ी बनाई। उनकी ऑन-स्क्रीन मौजूदगी और बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई और वह अपने युग की सबसे प्रसिद्ध अभिनेत्रियों में से एक बन गईं।

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामला:ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर कोर्ट का फैसला 29 जुलाई तक सुरक्षित

एजेंसी

नई दिल्ली । नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर अभियोजन शिकायत (प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट) पर संज्ञान लेने को लेकर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। यह हाई-प्रोफाइल मामला कांग्रेस की संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस प्रवासी विभाग के प्रमुख सैम पित्रोदा, सुमन दुबे सहित अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज है। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने केंद्रीय एजेंसी और मामले में प्रस्तावित आरोपियों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रखते हुए 29 जुलाई की तारीख तय की हैईडी ने कोर्ट में दावा किया कि

कांग्रेस नेतृत्व ने नेशनल हेराल्ड अखबार की प्रकाशक कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 2000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों को गलत तरीके से हासिल करने के लिए यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड का इस्तेमाल किया। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस ने एजेएल को दिए 90.25 करोड़ रुपए के कर्ज को चुकाने के लिए यंग इंडियन को मात्र 50 लाख रुपये में हस्तांतरित कर दिया गया, जो एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस.वी. राजू ने कोर्ट में कहा कि इस सौदे के जरिए कांग्रेस नेताओं ने सार्वजनिक संपत्ति को निजी लाभ के लिए हड़पने की कोशिश की। ईडी ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस को दान देने वालों में से कुछ को पार्टी ने टिकट दिए, जिससे दानदाताओं के साथ धोखाधड़ी का संकेत मिलता है।

इसके जवाब में, सोनिया गांधी की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि यह मामला बिना पैसे के हस्तांतरण और संपत्ति के लेन-देन के आधार पर बनाया गया है, जो कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है।

संभाजीनगर को मिलेगा नया स्किल डेवलपमेंट हब, ऑरिक में होगा निर्माण

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के औरंगाबाद (संभाजीनगर) में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से औरंगाबाद इंडस्ट्रियल सिटी (ऑरिक) में 20,000 वर्ग फुट क्षेत्र में एक नया कौशल विकास केंद्र स्थापित किया जाएगा। इस संबंध में अगले सप्ताह समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने छत्रपति संभाजीनगर के दौरे के दौरान इस पहल की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में औद्योगिक बुनियादी ढांचे और स्टार्टअप विकास की प्रगति की समीक्षा की। सचिव ने ऑरिक को नवाचार और उच्च मूल्य निर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) केंद्रों और वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) में निवेश आकर्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। दौरे के दौरान आयोजित उद्योग संवाद सत्र में सीआईआई, फिक्की, एसोचैम, सीएमआईए और मासिया जैसे प्रमुख उद्योग संगठनों ने हिस्सा लिया और क्षेत्र की जरूरतों व सुझावों को प्रस्तुत किया।

नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी का निधन, पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली । नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी का 82 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से नाइजीरिया में शोक की लहर दौड़ गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई वैश्विक नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुख जताते हुए लिखा, नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के निधन से अत्यंत दुखी हूं। मुझे विभिन्न अवसरों पर हुई हमारी मुलाकातें और बातचीत याद आती हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, गर्मजोशी और भारत-नाइजीरिया मैत्री के प्रति अटूट प्रतिबद्धता अद्वितीय थी। पीएम मोदी ने आगे लिखा, मैं भारत के 1.4 अरब लोगों के साथ उनके परिवार, नाइजीरिया की जनता और सरकार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। साल 2015 से 2023 तक नाइजीरिया के राष्ट्रपति रहे बुहारी का लंदन में इलाज के दौरान निधन हो गया। समाचार एजेंसी के अनुसार, नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू ने कहा कि उन्होंने उपराष्ट्रपति काशिम शेट्टिमा को बुहारी के पार्थिव शरीर को नाइजीरिया वापस लाने के लिए लंदन जाने का निर्देश दिया है। साथ ही, बोला टीनूबू ने दिवंगत पूर्व नाइजीरियाई नेता के सम्मान में झंडों को आधा झुकाने का आदेश दिया है।

कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस ने शुरू की जांच

नई दिल्ली । देश के अलग-अलग राज्यों में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब दिल्ली में तीन स्कूलों, चाणक्यपुरी के नेवी स्कूल, द्वारका के सीआरपीएफ स्कूल और रोहिणी के एक स्कूल को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। स्कूल प्रशासन ने फौरन पुलिस और बम निरोधक दस्ते को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की। बम निरोधक दस्ते का कहना है कि अभी तक स्कूल परिसर में कोई भी ऐसी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं, उससे स्कूल प्रबंधकों और अभिभावकों के बीच डर का माहौल है। हालांकि, गौर करने वाली बात है कि हर बार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलती हैं, लेकिन जब पुलिस और बम निरोधक दस्ते की टीम मौके पर पहुंचकर जांच करती है, तो कोई भी संदिग्ध सामान नहीं मिलता। इससे पहले, इसी महीने दक्षिण दिल्ली के इंडियन पब्लिक स्कूल और उत्तर पश्चिम दिल्ली में क्रिसेंट पब्लिक स्कूल को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस अलर्ट मोड पर आकर जांच शुरू कर दी थी।इसके अलावा, सात फरवरी को पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेस-1 स्थित अल्कोन पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

दो दोस्तों ने एक-दूसरे पर किए चाकू से ताबड़तोड़ वार, तिलक नगर में डबल मर्डर से हड़कंप

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के तिलक नगर में डबल मर्डर की सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां दो दोस्तों ने एक दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में दोनों की मौत हो गई। मामला पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर थाना इलाके का है। पता चला है कि संदीप और आरिफ अच्छे दोस्त थे। दोनों के बीच किसी बात को लेकर आपसी झगड़ा हुआ था। आपसी विवाद को लेकर दोनों ने एक-दूसरे पर चाकू से हमला किया, जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, दोनों दोस्त तिलक नगर थाना क्षेत्र में स्थित ख्याला बी ब्लॉक में अपने परिवार और बच्चों के साथ रहते थे। संदीप का प्रॉपर्टी का बिजनेस था और वह पहले जिन ट्रेनर भी रह चुका है। हालांकि, अभी यह पता नहीं चल पाया है कि संदीप और आरिफ के बीच झगड़ा किस वजह से हुआ और यह खूनी घटना कैसे हुई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल भेज दिया है।

सरस्वती विहार आरडब्ल्यूए चुनाव: धर्मपाल और उनकी टीम को जनता का भारी समर्थन

गुरुग्राम: सरस्वती विहार में रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के आगामी चुनाव जो की 20 जुलाई को होने है, में धर्मपाल और उनकी टीम ने अपनी जीत की नींव मजबूत कर ली है। पूरी कॉलोनी में जोर-शोर से चल रहे चुनाव प्रचार में धर्मपाल की टीम ने दिन-रात एक कर जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। कॉलोनी वासियों का कहना है कि वर्तमान में जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण कॉलोनी की हालत बद से बदतर होती जा रही है, और धर्मपाल की टीम इस स्थिति को बदलने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध दिखाई दे रही है। धर्मपाल ने अपने प्रचार अभियान के दौरान कहा, "हम चुनाव प्रचार में मेहनत कर रहे हैं। हमारा वादा है कि जीतने के बाद कॉलोनी की हालत में जल्दी ही और तेजी से सुधार देखने को यहाँ के निवासियों को मिलेगा।" उनकी यह बात कॉलोनी वासियों के दिल को छू रही है, जो लंबे समय से कूड़े के ढेर, बहते सीवर, टूटी सड़कों और हर तरफ उड़ती धूल-मिट्टी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। विशेष रूप से छोटे मकानों की साइड में रहने वाले निवासियों ने अपनी नाराजगी जाहिर की और बताया कि उचित मैनेजमेंट के अभाव और जल्दबाजी में किए गए कामों ने कॉलोनी को और बदहाल कर दिया है। प्रचार के दौरान कई निवासियों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, "पूरी सरस्वती विहार खुदी हुई है। मैनेजमेंट नाम की कोई समझ काम करने और कराने वालों में नजर नहीं आ रही।" जनता का कहना है कि वर्तमान जनप्रतिनिधियों ने उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण उनके मन में गहरा रोष है। इस रोष का फायदा धर्मपाल और उनकी टीम को मिल रहा है, जो जनता की हर छोटी-बड़ी समस्या को गंभीरता से सुन रहे हैं और ठोस समाधान का वादा कर रहे हैं। कॉलोनी के सम्मानित और सामाजिक व्यक्तियों जैसे श्री जिले सिंह और बलबीर सिंह ने भी धर्मपाल के नेतृत्व को खुला समर्थन दिया है। उनके इस समर्थन ने धर्मपाल की स्थिति को और मजबूत किया है। जनता का भारी समर्थन और विपक्षी पार्टी के प्रति रोष को देखते हुए यह स्पष्ट है कि सरस्वती विहार की जनता धर्मपाल और उनकी टीम को एक नए नेतृत्व के रूप में देख रही है, जो कॉलोनी की दशा को सुधारने के लिए कटिबद्ध है। आगामी चुनाव के परिणाम भले ही बाकी हों, लेकिन धर्मपाल और उनकी टीम की मेहनत और जनता के साथ उनकी संवेदनशीलता ने उन्हें इस दौड़ में सबसे आगे कर दिया है। कॉलोनी वासियों को अब एक बेहतर भविष्य की उम्मीद दिख रही है।

द्वारका के रेडिसन ब्लू होटल में आग, कोई हताहत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर 13 में स्थित रेडिसन ब्लू होटल की दूसरी मंजिल पर शनिवार देर रात सॉना रूम में आग लगने की घटना सामने आई है। दमकल विभाग को रात करीब 12:17 बजे आग की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद सुबह करीब 5:00 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने या जानहानि की कोई सूचना नहीं है। दमकल विभाग के सहायक मंडल अधिकारी रवि नाथ ने बताया कि आग होटल की दूसरी मंजिल पर स्थित सॉना रूम में शुरू हुई, जिसका कारण संभवतः शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी हो सकता है। सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। होटल प्रबंधन ने वहां मौजूद मेहमानों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने त्वरित कार्रवाई की और होटल के कर्मचारियों के सहयोग से सभी मेहमानों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। होटल प्रबंधन ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सभी मेहमानों और कर्मचारियों की सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है। प्रबंधन ने यह भी बताया कि आग की घटना के बाद होटल के सभी अग्निशमन उपकरणों और सुरक्षा प्रणालियों की गहन जांच शुरू कर दी गई है। विशेषज्ञों की एक टीम को सॉना रूम की तकनीकी खराबी और बिजली आपूर्ति प्रणाली की जांच के लिए नियुक्त किया गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सॉना रूम जैसे बंद क्षेत्रों में आग लगने की स्थिति में धुआं तेजी से फैल सकता है, लेकिन समय पर कार्रवाई के कारण स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। उन्होंने होटल प्रबंधनों को नियमित रूप से अग्निशमन उपकरणों की जांच और कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की सलाह दी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि रात के समय धुएं की गंध और सायरन की आवाज से लोग सतर्क हो गए। इसके बाद वहां आस पास के लोग इकट्ठा होने लगे। स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया और यातायात को नियंत्रित किया ताकि दमकल गाड़ियों को आने-जाने में कोई परेशानी न हो। स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की सतर्कता के कारण स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। होटल प्रबंधन ने घटना के बाद सुरक्षा मानकों की समीक्षा शुरू कर दी है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। पुलिस व दमकल विभाग भी घटना की जांच में जुट गई है।

विशेषज्ञों की एक टीम को सॉना रूम की तकनीकी खराबी और बिजली आपूर्ति प्रणाली की जांच के लिए नियुक्त किया गया है।

यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए ट्रेन के डिब्बों में लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से इंजनों और कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रगति की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। रेल मंत्री से यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्देश अधिकारियों को दिए। समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि उत्तर रेलवे के लोको इंजनों और कोचों में सीसीटीवी कैमरों का सफल परीक्षण किया जा चुका है। रेल मंत्री ने सभी 74,000 कोचों और 15,000 लोको में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुमति दे दी है। प्रत्येक कोच में चार डोम कैमरे लगाए जाएंगे, जिनमें से दो प्रत्येक प्रवेश द्वार पर होंगे। लोकोमोटिव में छह सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे,

जो इंजन के आगे, पीछे और दोनों तरफ की निगरानी करेंगे। साथ ही, इंजन की आगे और पीछे की कैब में एक-एक डोम कैमरा और दो डेस्क माउंटेड माइक्रोफोन भी लगाए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि ये कैमरे नवीनतम मानकों वाले होंगे और मानकीकरण, परीक्षण और गुणवत्ता (एसटीक्यूसी) प्रमाणित होंगे, जिससे कि बेहतर निगरानी संभव हो सकेगी। केंद्रीय रेल मंत्री ने भी बैठक के दौरान अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। उन्होंने अपने निर्देश में कहा है कि ये कैमरे तेज़ गति (100 किमी प्रति घंटे से अधिक) पर भी स्पष्ट वीडियो रिकॉर्ड करें और कम रोशनी में भी अच्छी क्वालिटी की फुटेज दें। उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया एआई मिशन के तहत कैमरों द्वारा रिकॉर्ड किए गए डेटा का विश्लेषण करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा सकता है। बैठक के दौरान रेल मंत्री ने यात्रियों की गोपनीयता का विशेष ध्यान रखते हुए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से रेलवे को सुरक्षित और संरक्षित बनाने पर भी जोर दिया।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने पल्ला क्षेत्र में यमुना नदी का किया निरीक्षण

पानी का सैंपल भी लिया

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने पल्ला क्षेत्र में यमुना नदी का निरीक्षण किया। इस दौरान यमुना के पानी का सैंपल भी लिया गया। यह वह क्षेत्र है, जहां यमुना हरियाणा से दिल्ली में प्रवेश करती है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने विभागीय अधिकारियों के साथ बोट के माध्यम से जलस्तर और तटीय स्थिति का जायजा लिया। यमुना से पानी का सैंपल भी लिया गया है, ताकि गुणवत्ता की जांच की जा सके। मंत्री ने बताया कि पल्ला क्षेत्र में पानी बिल्कुल साफ है, लेकिन जैसे ही यमुना दिल्ली में प्रवेश करती है, उसका रंग गहरा और गंदा हो जाता है। दिल्ली में भी यमुना का पानी वैसा ही साफ और स्वच्छ करने का प्रयास सरकार कर रही है। मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार बरसात के मौसम में पूरी तरह से सड़कों के प्रति सक्रिय है। आम आदमी पार्टी केवल 3-4 स्थानों की तस्वीरें दिखाकर पूरे शहर को जलमग्न बताने की कोशिश कर रही है, जबकि दिल्ली एक विशाल नगर है। हर स्थान पर ऐसा दृश्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां पानी कुछ ही मिनटों में निकल जाए, उसे जलभराव नहीं कहा जा सकता। जलभराव तब माना जाता है जब पानी 4-5 घंटे तक भी न निकले। अधिकतर स्थानों पर जल निकासी व्यवस्था ठीक से कार्य कर रही है।

दिल्ली-मुंबई हाईवे निर्माण स्थल पर दर्दनाक हादसा, 45 फीट ऊंचाई से गिरकर मजदूर की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-मुंबई हाईवे के निर्माण कार्य के दौरान 12 जुलाई को एक हादसे में 29 वर्षीय मजदूर सचिन की मौत हो गई। सचिन, जो उप्र के बुलंदशहर के मूल निवासी थे और दिल्ली में सुल्तानपुरी में रहते थे। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के तहत सेल मैक कंस्ट्रक्शन कंपनी के लिए काम कर रहे थे। इस हादसे के बाद पुलिस ने कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 12 जुलाई को सुबह करीब 9:30 बजे सचिन 40-45 फीट ऊंचे पिलर पर जैक शिफ्ट करने का काम कर रहे थे। अचानक जैक फिसल गया, जिसके कारण सचिन पिलर से नीचे गिर गए। उन्हें तुरंत होली फैमिली अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोपहर 1:13 बजे अस्पताल से पुलिस को ब्रॉट डेड की सूचना मिली। सूचना मिलने पर पुलिस ने अस्पताल और घटनास्थल पर जाकर जांच की। जांच में पता चला कि सचिन सेल मैक कंस्ट्रक्शन कंपनी के लिए मजदूर के रूप में कार्यरत थे। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस हादसे के कारणों और जिम्मेदारियों का पता लगाने के लिए गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सुरक्षा उपायों में कमी की संभावना सामने आई है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने विकासपुरी में फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र विकासपुरी के डी-ब्लॉक स्थित आर्य समाज मंदिर में नव-निर्मित फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन किया।

आर्य समाज मंदिर द्वारा इस धर्मार्थ फिजियोथेरेपी सेंटर को कैबिनेट मंत्री डॉक्टर पकंज कुमार सिंह के स्वर्गीय माता-पिता की स्मृति में आज विकासपुरी की जनता को समर्पित किया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली के हर नागरिक तक सस्ती, सुलभ और विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं देना ही लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम एक ऐसा स्वास्थ्य तंत्र बना रहे हैं जो संवेदनशील, जनभागीदारी आधारित और भविष्य की सभी जरूरतों के लिए तैयार हो रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को बेहद मजबूत करने और दिल्ली को 'हेल्थ कैपिटल' बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। आज विकासपुरी में आर्य समाज मंदिर द्वारा समर्पित फिजियोथेरेपी जैसी सामुदायिक सुविधा इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो हर नागरिक को समर्पित, समावेशी और सशक्त दिल्ली के निर्माण की ओर बढ़ते कदम को दर्शाता है। फिजियोथेरेपी सेंटर के उद्घाटन से पहले स्वास्थ्य मंत्री ने आज सुबह विकासपुरी स्थित अपने स्थानीय कैंप कार्यालय में लोगों से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं को सुना। जनसुनवाई के दौरान स्थानीय नागरिकों ने इलाके से संबंधित समस्याएं बताकर उनको दूर करने के भी मंत्री महोदय को सुझाव दिए, जिनमें खासतौर पर स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा एवं अन्य नागरिक सुविधाएं शामिल थीं। मंत्री ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सभी जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर तुरंत समाधान सुनिश्चित करें।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात, विस में चल रही योजनाओं की दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से उपराष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान गुप्ता ने उपराष्ट्रपति को दिल्ली विधानसभा के संचालन को आधुनिक और पारदर्शी बनाने के लिए किए जा रहे विभिन्न ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी प्रयासों की जानकारी दी। गुप्ता ने उपराष्ट्रपति को 'दिल्ली विधानसभा का 100 दिनों के कार्यकाल पर विरासत से विकास की ओर' शीर्षक से प्रकाशित एक विशेष बुकलेट भी भेंट की। विधानसभा अध्यक्ष ने नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के अंतर्गत विधानसभा को पूर्णतया डिजिटल बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।गुप्ता ने विधानसभा परिसर में 500 किलोवॉट की सोलर पावर परियोजना के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के माध्यम से पूरा विधानसभा परिसर अब नवीकरणीय ऊर्जा पर कार्य करेगा। इसके अतिरिक्त गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा को विरासत परिसर के रूप में विकसित करने के एक दूरदर्शी प्रस्ताव की भी जानकारी दी। उपराष्ट्रपति ने इन सभी पहलों की सराहना की और राज्य स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को और सशक्त एवं प्रभावी बनाने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

'आत्मध्यान संकल्प महोत्सव' स्थानकवासी समाज की आध्यात्मिक उन्नति में ऐतिहासिक पहल : अतुल जैन

एजेंसी

नई दिल्ली। श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल जैन गुजरात के सूरत में आयोजित आत्म ध्यान संकल्प महोत्सव में शामिल हुए। इस महोत्सव का आयोजन कॉन्फ्रेंस की नवगठित आत्मध्यान प्रचार योजना के अंतर्गत आचार्य भगवंत डॉ. शिवमुनिजी म.सा. के सान्निध्य में हुआ। अतुल जैन ने इस पावन अवसर पर कहा कि यह महोत्सव स्थानकवासी समाज की आध्यात्मिक उन्नति, आत्मचिंतन और ध्यान एवं साधना की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। स्थानकवासी जैन समाज की एकता भावना श्रमण संघ के सानिध्य में पुष्ट होती रही है। इसी ध्येय को केंद्र में रखकर इस महत्वपूर्ण योजना की जिम्मेदारी राष्ट्रीय अध्यक्ष पाकिमार (प्रिंट) कति जैन को ही है। स्थानकवासी जैन समाज की एकता व भावना श्रमण संघ के सानिध्य में पुष्ट होती रही है। इसी ध्येय को केंद्र में रखकर इस महत्वपूर्ण योजना की जिम्मेदारी राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकुमार (पिंटू) कर्णावट जैन को दी है। हम सब बहुत ही सौभाग्यशाली हैं कि हमें आचार्य भगवंत शिवमुनिजी म.सा. का नेतृत्व मिल रहा है। उन्होंने कहा कि श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस अपने चहुमुखी विकास की ओर अग्रसर है। इसके तहत आध्यात्मिक एवं सहधार्मिक मान्यताओं के साथ समस्त समाज के लिए कार्यक्रमों को जोड़ा गया है। पहली बार विभिन्न योजनाओं का गठन कर उन्हें सक्षम नेतृत्व प्रदान किया गया। इसमें मुख्य रूप से आत्मध्यान प्रचार योजना, हर प्रान्त जैन भवन, डाटा डिजिटलाईजेशन, जन कल्याण समिति (जिसके माध्यम से केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा दी जाने वाली समस्त सहायताओं को जन-जन तक उपलब्ध करवाने का कार्य), जैन भवन में राष्ट्रीय स्तर पर रिसर्च सेंटर की स्थापना और पाण्डुलिपियों का संग्रह जैसे कार्यक्रम चल रहे हैं। अतुल जैन नेबताया कि आज आचार्य भगवन के सान्निध्य में विश्व शांति वर्ष घोषित कर रहा हूं।

हाई-प्रोफाइल मामले संभालने वाले उज्जवल निकम अब राज्यसभा में आएंगे नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत सदस्य वकील उज्ज्वल निकम ने दशकों के अनुभव और देश के सबसे हाई-प्रोफाइल और जटिल मामलों को संभालने के बाद सर्वश्रेष्ठ वकीलों में से एक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई? है। उन्होंने 1993 के बॉम्बे बम विस्फोटों, गुलशन कुमार हत्याकांड, प्रमोद महाजन हत्याकांड और 2008 के मुंबई हमलों के संदिग्धों पर मुकदमा चलाने में मदद की। वह 2013 के मुंबई सामूहिक बलात्कार मामले और 2016 के कोपर्डी बलात्कार और हत्या मामले में भी विशेष सरकारी वकील रहे। उज्ज्वल निकम ने 26/11 के मुंबई हमले के मुकदमे के दौरान महाराष्ट्र की ओर से बहस की। उन्होंने ही 26/11 मुंबई आतंकी हमले के एकमात्र जिंदा पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब को फांसी तक पहुंचाया था। उनका 30 साल का लंबा करियर रहा है। उन्होंने अपने करियर में 628

आजीवन कारावास और 37 मृत्युदंड की सजा दिलाई। उनका जन्म 30 मार्च 1953 को महाराष्ट्र के जलगांव में हुआ और उनके पिता एक न्यायाधीश थे। उन्होंने केसीई सोसाइटी के मनियार लॉ कॉलेज से विज्ञान स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद निकम ने जलगांव में जिला अभियोजक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। उज्ज्वल निकम को 2016 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। उन्हें जेड प्लस सुरक्षा उपलब्ध है। उन्होंने 2024 लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मुंबई उत्तर मध्य से चुनाव लड़ा, लेकिन वे कांग्रेस उम्मीदवार वर्षा गायकवाड़ से 16,514 वोटों के अंतर से हार गए।

संपादक की कलम से

राष्ट्रीय खेल: खेलों के साथ राष्ट्रीय एकता का उत्सव

उत्तराखंड की सुरम्य वादियों में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल न केवल खेल प्रतिभाओं के प्रदर्शन का मंच बने, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक मेलजोल का जीवंत उदाहरण भी साबित हुए। इस भव्य आयोजन में देशभर से आए 10,000 से अधिक खिलाड़ी, कोच और अधिकारी खेल के साथ-साथ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होकर आपसी भाईचारे को मजबूत कर रहे हैं।

भोजन के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान

यह आयोजन भारतीय विविधता के बीच एकता का सांस्कृतिक संगम बन गया। यहां भाषा, परंपराओं और खानपान की दीवारें टूट गईं और खिलाड़ी एक परिवार की तरह जुड़ गए। नाश्ते की टेबल पर दक्षिण भारत के वड़ा-सांभर, उत्तराखंड के झोली-भात और पंजाब के राजमा एक साथ परोसे गए। महाराष्ट्र, असम और केरल के खिलाड़ी एक ही टेबल पर बैठकर एक-दूसरे के पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते और उनके बारे में चर्चा करते दिखे।

मैदान के बाहर रिश्तों की नई कहानी

भले ही खिलाड़ी मैदान पर अपने-अपने राज्यों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, लेकिन मैदान के बाहर नई दोस्तियों की अनगिनत कहानियां बन रही थीं। बैडमिंटन कोर्ट पर प्रतिद्वंद्वी रहे खिलाड़ी शाम को फैन पार्क में हंसी-मजाक करते नजर आए। एक भावुक पल तब देखने को मिला जब डाइनिंग हॉल में काम करने वाले एक वॉलंटियर और कुछ खिलाड़ियों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। जब खिलाड़ी अपने राज्य लौटने लगे, तो विदाई के दौरान वॉलंटियर की आंखों में आंसू छलक आए, जो इन खेलों की आत्मीयता को दर्शाता है।

फैन पार्क में लोकनृत्य और संगीत का रंग

हर शाम फैन पार्क में विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें खिलाड़ी दर्शक ही नहीं, बल्कि कलाकार भी बने। उत्तराखंड के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत झोड़ा नृत्य में महाराष्ट्र, बंगाल और केरल के खिलाड़ियों ने भी कदम से कदम मिलाए। भांगड़ा की धुन पर तमिलनाडु और असम के खिलाड़ी भी झूमते नजर आए। यह नजारा भारत की विविध संस्कृतियों के बीच मिलन और नई ऊर्जा का प्रतीक बन गया। खिलाड़ी केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति को भी करीब से देखने का अवसर मिला। कई खिलाड़ियों ने स्थानीय बाजारों से पहाड़ी टोपी और पारंपरिक वस्त्र खरीदे, तो कुछ ने गंगा आरती में शामिल होकर आध्यात्मिक अनुभव लिया। उत्तराखंडी व्यंजनों का स्वाद भी खिलाड़ियों को खूब भाया।

राष्ट्रीय एकता की मिसाल बना यह आयोजन

38वें राष्ट्रीय खेलों ने यह साबित कर दिया कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं, बल्कि यह संस्कृतियों को जोड़ने और दोस्ती के नए रिश्ते बनाने का एक मजबूत मंच हैं। इस आयोजन के जरिए देश की एकता और आपसी समझ को और अधिक मजबूती मिली। उत्तराखंड की धरती पर हुआ यह आयोजन आने वाले वर्षों तक खेलों के जरिए राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा देता रहेगा।

दिल्ली से आम आदमी पार्टी की विदाई

हर्षवर्धन पाण्डे

दिल्ली की राजनीति में भाजपा की हालिया जीत और आम आदमी पार्टी की हार ने मौजूदा दौर में कई सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली में जब चुनावी डुगडुगी बजी तो भाजपा और आप दोनों ही दलों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पहले केजरीवाल दिल्ली के चुनावों में हमेशा नरेटिव बनाया करते थे और विपक्ष उसकी काट नहीं ढूंढ पाता था लेकिन इस बार भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के लिए सशक्त प्रचार की रणनीति अपनाई। मोदी ने चुनावी रैलियों में आप के खिलाफ दिल्ली का पैसा लूट लिया का बेहतर नरेटिव बनाकर भाजपा को प्रचार में आगे किया और केजरीवाल की रेवड़ी के नहले पर बड़ी रेवड़ी का दहला मारकर आप के कामकाज पर सवाल उठाए। साथ ही दिल्ली की जनता से वादा किया कि भाजपा सरकार बनने पर विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। मोदी और अमित शाह का प्रचार अभियान बड़े पैमाने पर था, जो स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता से जुड़ा हुआ था।आप के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि उसने पिछले कुछ वर्षों में जिन विकास कार्यों को सबसे बड़ी सफलता के रूप में प्रस्तुत किया था, वे अब जनता के लिए उतने प्रभावी नहीं रहे। शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी के मुद्दों पर भले ही आप ने दिल्ली के लोगों को आकर्षित किया हो लेकिन यह महसूस किया गया कि अब कुछ नया नहीं है। लोगों ने यह देखा कि आप की सरकार दिल्ली में कुछ बड़े मुद्दों को सुलझाने में विफल रही जैसे रोजगार, महिला सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण। इसके साथ यमुना की सफाई नहीं हो सकी। आप में आंतरिक कलह और नेतृत्व की कमी भी हार का एक बड़ा कारण बनकर सामने आई। पार्टी के भीतर लगातार आपसी विवाद और संगठन के भीतर असंतोष ने आम आदमी पार्टी की छवि को प्रभावित किया। रही-सही कसर शराब घोटाले और इस मामले में उसकी टॉप लीडरशिप के जेल जाने ने पूरी कर दी। अरविंद केजरीवाल का नेतृत्व इस बार उतना प्रभावी नहीं था, जितना पहले था। दिल्ली में भाजपा ने एक बड़ी रणनीति के तहत पूर्वांचल समुदाय के लोगों के वोट बैंक के साथ महिला वोट बैंक और कुछ झुग्गियों के वोट बैंक को अपने पाले में खींचने में सफलता हासिल की। भाजपा ने अपनी रैलियों में स्थानीय मुद्दों को बेहतर तरीके से उठाया और यह संदेश देने की कोशिश की कि केवल वे ही दिल्ली के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में यह रणनीति काम आई क्योंकि भाजपा ने हर वर्ग को आकर्षित करने के लिए अपनी विचारधारा को मजबूती से प्रस्तुत किया इसमें कोई संदेह नहीं है कि केजरीवाल को मात देने के लिए भाजपा और संघ ने पूरा दम लगाया। उसने धारणा के स्तर पर केजरीवाल की कट्टर ईमानदार की छवि भंग कर दी थी और माइक्रो मैनेजमेंट किया। अरविंद केजरीवाल अन्ना की टोपी पहनकर ईमानदारी की राजनीति करके सत्ता में आए थे। दिल्ली की जनता उनसे संपूर्ण ईमानदारी की उम्मीद कर रहा था। तभी शराब नीति से जुड़े घोटाले में नाम आने और जांच शुरू होने के साथ अगर वे इस्तीफा देते तो यह उनका मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकता था लेकिन कुर्सी से चिपके रहना उन्होंने पसंद किया। वह जेल में रहकर दिल्ली की सत्ता में बने रहना चाहते थे जिसने लोगों के मन में उनके प्रति धारणा बदली। जेल से छूट गए तो खुद को सीएम के रूप में मतदाताओं के बीच प्रोजेक्ट करने लगे, इससे सीएम बनने की उनकी महत्वाकांक्षाएं फिर से जगी। जेल जाकर सीएम बने रहना उनको भारी पड़ गया और शराब घोटाले में उन पर गंभीर आरोप लगे जो प्रकरण अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है और वह जमानत पर हैं। केजरीवाल के जेल जाने से दिल्ली पूरी तरह से ठहर-सी गई। केजरीवाल ने पिछले वर्ष के बजट में महिलाओं को नकद पैसे देने की घोषणा की थी लेकिन इस साल फरवरी के चुनाव तक महिलाओं को कोई पैसा नहीं मिला। उल्टा ये देखा गया महिलाओं से जो फार्म भरवाए गए वो कूड़े के ढेर में पाए जाने के वीडियो खूब वायरल हुए। दिल्ली के रामलीला मैदान में समाज के हर तबके ने अन्ना आंदोलन में हिस्सा लिया था। बाद में जब केजरीवाल ने आप के रूप में राजनीतिक दल बनाया तो समाज के हर तबके को फ्री की रेवड़ियों से आकर्षित किया। हालांकि शराब घोटाले के बाद दिल्ली के हर वर्ग में उन्हें लेकर असंतोष बढ़ने लगा। खासकर उन लोगों को निराशा हुई जो केजरीवाल से व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीदें लगाए बैठे थे। दो साल पहले एमसीडी में बहुमत के बाद भी दिल्ली की बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी समस्याएं दुरुस्त नहीं हो पाई।

स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण

हृदयनारायण दीक्षित

संस्कृत का दिव्य ही अंग्रेजी का डिवाइन है। अंग्रेजी का ब्रदर संस्कृत का भ्रात है, फादर संस्कृत का पितृ है और मदर संस्कृत की मातृ है। गोदाम अंग्रेजी में गोडाउन है। पी.जी. सुब्बाराव ने इंडियन वर्ड्स इन इंग्लिश में ऐसे सैकड़ों दिलचस्प शब्दों की सूची दी है। अंग्रेजों ने जर्मन, फ्रेंच से भाषा के संस्कार पाए, रोमन लिपि अपनाई। भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी ऐबिस सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में जलवाची अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं मिस्त्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है।

भारतीय संस्कृति अति प्राचीन है। यूरोप की सभ्यता पर यूनानी प्रभाव है। यूनान जर्मनी से पहले सभ्य हुआ। भारत यूनान से पहले। यूनानी दर्शन ईसा के 500-600 वर्ष पहले शुरू हुआ। इसके सैकड़ों बरस पहले भारत का वैदिक दर्शन प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका था। यूनानी सभ्यता की विकास भूमि क्रीट द्वीप है। क्रीट की कला के विश्लेषक रैनोल्ड हिगिंस के अनुसार ईसा के 2800 बरस पहले लघु एशिया के प्रवासी वहां सभ्यता ले गए। क्रीट के क्नोसोस नगर के प्रथम शासक मिनोस के नाम पर इसे मिनोअन सभ्यता कहा गया। मिकनी नगर यूनानी सभ्यता का केन्द्र बना। यह सभ्यता मखदूनिया, साइप्रस और इटली तक फैली। मिस्र से निकाले गए हुक्सोस मिकनी के शासक थे। टायनबी ने इन्हें आर्य व हिगिंस ने इन्हें भारतीय कहा। भाषा वैज्ञानिक वामपंथी विद्वान डॉ. रामविलास शर्मा ने बताया कि, आर्य भाषा बोलने वाले भारतीय मिनोअन-मिकीनियन राज्यों के संस्थापक थे। यूनानी सभ्यता, संस्कृति और दर्शन का विकास भारतीय सम्बंधों से हुआ। ऋग्वेद के मनु, मिस्र के प्रथम राजा मेनस और यूनान (क्रीट) के प्रथम शासक मिनोस भाषा की दृष्टि से संस्कृत के और संस्कृति की दृष्टि से भारतीय तत्व हैं। इंग्लैंड की सभ्यता यूनान से प्रेरित है। उन्होंने लैटिन, ग्रीक, मिस्र से संस्कृति और सभ्यता के तत्व पाए। भारतीय संपर्क से उन्हें पुष्ट किया। अंग्रेजी स्वयं में व्यवस्थित भाषा नहीं है। संस्कृत के तमाम शब्द अंग्रेजी में हैं। संस्कृत का दिव्य ही अंग्रेजी का डिवाइन है। अंग्रेजी का ब्रदर संस्कृत का भ्रात है, फादर संस्कृत का पितृ है और मदर संस्कृत की मातृ है। गोदाम अंग्रेजी में गोडाउन है। पी.जी. सुब्बाराव ने इंडियन वर्ड्स इन इंग्लिश में ऐसे सैकड़ों दिलचस्प शब्दों की सूची दी है। अंग्रेजों ने जर्मन, फ्रेंच से भाषा के संस्कार पाए, रोमन लिपि अपनाई। भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी ऐबिस सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में जलवाची अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्त्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। ऋग्वेद पुराना है, जाहिर है कि संस्कृत ही सबसे पहले सृष्टि के आदि तत्व जल की बोली बनी। विलियम जोन्स ने कहा कि, संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ सम्बंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद् इनका एक ही स्त्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता। संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक सम्बंधों का अध्ययन विश्लेषण संभव नहीं। भारत सांस्कृतिक तत्वों का भी निर्यातक था। पश्चिम एशिया में रूद्र-शिव की उपासना थी। गूर्ने ने दि हिटटाइटस (पृष्ठ 134) में बताया कि वे हित्तियों के विशेष देवता थे, उनके अनेक रूप थे। सीरिया के शिल्प में वह परशु चलाते हुए बिजली कौंधने के प्रतीक हैं। यूनानी (मिनोअन) संस्कृति में भी परशु खास प्रतीक हैं। इबान्स के मुताबिक यह परशु मिनोअन देवी और उसके पुरुष देवता का चिन्ह था। इसी परशु का उल्लेख ऋग्वेद में है। पश्चिमी भारत से दक्षिणी यूरोप, फिर उत्तरी यूरोप होते हुए परशु नाम का देव प्रतीक इंग्लैंड तक पहुंचा। अंग्रेजी विद्वान सम्भवतः नहीं मानते कि रुद्र का शिवत्व प्रागैतिहासिक काल में भी है। ऋग्वेद में वे अरुण-रूद्र हैं। वे जटाधारी भी हैं। यजुर्वेद में वे नमः शम्भवाय-नमः शिवाय भी हैं। जैसे सीरिया में वे बिजली कौंधने के प्रतीक हैं वैसे ही उसके बहुत पहले ऋग्वेद (7.46.3) में वे आकाश से बिजली गिराते हैं। यहां उनसे अमृत्व की महामृत्युंजय स्तुति (7.59.12) है। सभ्यता, संस्कृति, देवतंत्र, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है। यूरोपीय विद्वान एच.एस. मेन ने लिखा था, बीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के अविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिन्दुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी। विलियम हंटर ने लिखा था कि, पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था। सारा ज्ञान विज्ञान, संस्कृति दर्शन संस्कृत में है, हिन्दी में भी है। बावजूद इसके अंग्रेजी पर जोर है, अंग्रेजी का शोर है। सवाल यह है कि जो संस्कृत और हिन्दी काव्य, साहित्य, दर्शन, विज्ञान, प्रीति और प्रेम की सहज अभिव्यक्ति है, वही विज्ञान और व्यापार की सशक्त भाषा क्यों नहीं है? भारत प्राचीनतम व अद्वितीय राष्ट्र है। मैक्समूलर ने लिखा, भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है। जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं पर भारत द्वारा प्राप्त हल प्लेटो और कांट के दर्शन का अध्ययन किए हुए लोगों के लिए (भी) विचार करने योग्य है। यूनानी, रोमन और एक सेमेटिक जाति यहूदी के विचार मात्र पर पालित-पोषित यूरोप के हम लोग जीवन को अधिक परिपक्व, अधिक व्यापक, अधिक सार्वलौकिक, दरअसल सच्चे मानवीय बनाने के लिए भारत की ओर ही देखते हैं। भारतीय संस्कृति दर्शन की ऐसी प्रतिष्ठा पर गर्व करना चाहिए। स्वाधीनता संग्राम की भाषा मातृभाषा हिंदी थी लेकिन नए प्रभुवर्ग अंग्रेजी को वरीयता देते रहे हैं। गांधीजी ने कहा था, अंग्रेजी ने हिंदुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध मानता हूं। (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) संस्कृति, सृजन और संवाद की भाषा हिंदी है। बावजूद इसके अंग्रेजी का मोह बढ़ा, अंग्रेजी स्कूल बढ़े, अंग्रेजी प्रभुवर्ग की भाषा बनी। हिंदी का अंग्रेजीकरण भी हुआ। टीवी सिनेमा ने नई संकर भाषा को गले लगाया। हिंदी सौंदर्य और कला में व्यक्त करने का माध्यम थी-है। अंग्रेजीकृत हिंदी-हिंगलिश-मिश्रित बोली ने भारतीय सौंदर्यबोध को विकृत किया। अंग्रेजी मिश्रित हिंदी शैंपू और दाद खाज की दवा बेचने का माध्यम हो सकती है लेकिन सृजन और संवाद की भाषा नहीं हो सकती। स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण होती है। लॉर्ड मैकाले ने ब्रिटिश संसद में कहा था, उच्चतर जीवन मूल्य और उत्कृष्ट क्षमताओं को देखते हुए भारतीयों पर तब तक विजय प्राप्त नहीं की जा सकती, जब तक वहां की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक परंपरा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती। इसलिए मेरा प्रस्ताव है कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति, संस्कृति को विस्थापित करें कि भारतवासी विदेशी और अंग्रेजी को श्रेष्ठ समझते हुए स्वसंस्कृति और स्वाभिमान खोकर हमारी इच्छा अनुरूप शासित राष्ट्र हो जाएं। वे असफल हुए। इसका कारण भारत की सांस्कृतिक निरंतरता है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

वैलेंटाइन डे: प्यार के उत्सव का नया बाजार

हर्षवर्धन पाण्डे

पिछले कुछ समय से ग्लोबलाइज्ड समाज में प्यार भी ग्लोबल ट्रेंड हो गया है। आज जहां इजहार और इकरार करने के तौर-तरीके बदल गए हैं, वहीं इंटरनेट के मौजूदा दौर में प्यार भी बाजारू हो चला है। प्यार का यह उत्सव एक बड़े बाजार को गिरफ्त में ले चुका है। हर जगह वैलेंटाइन की संस्कृति पसरती जा रही है। शहर से लेकर कस्बों तक यह तेजी से फैल चुका है। वैलेंटाइन के सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की मानें तो यह "वैलेंटाइन "अथवा "वलेंतिनस" नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते हैं लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्मगुरू थे। उन दिनों वहां क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नहीं सताती। अपनी इस मान्यता के कारण उसने तत्कालीन रोम में युवकों के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया। किन्दवंतियों की मानें तो संत वैलेंटाइन ने क्लाउडियस के इस फैसले का विरोध करने का फैसला किया। बताया जाता है कि वैलेंटाइन ने इस दौरान कई युवक-युवतियों का प्रेम विवाह करा दिया। यह बात जब राजा को पता चली तो उसने संत वैलेंटाइन को 14 फरवरी को फाँसी की सजा दे दी। कहा जाता है संत के इस त्याग के कारण हर साल 14 फरवरी को उनकी याद में युवा "वैलेंटाइन डे" मनाते हैं । 1260 में संकलित की गईऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन नामक पुस्तक में भी सेंट वेलेंटाइन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी में सम्राट क्लॉडियस के अनुसार विवाह करने से पुरुषों की शक्ति और बुद्धि कम होती है। उसने फरमान जारी किया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी विवाह नहीं करेगा। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया। उन्हीं के आह्वान पर अनेक सैनिकों और अधिकारियों ने विवाह किए। कैथोलिक चर्च की एक अन्य मान्यता के अनुसार एक दूसरे संत वैलेंटाइन की मौत प्राचीन रोम में ईसाइयों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें बचाने के दरम्यान हो गई। इस पर नई मान्यता यह है कि ईसाइयों के प्रेम का प्रतीक मानें जाने वाले इस संत की याद में ही वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। एक अन्य किंदवंती के अनुसार वैलेंटाइन नाम के एक शख्स ने अपनी मौत से पहले अपनी प्रेमिका को पहला वैलेंटाइन संदेश भेजा जो एक प्रेम पत्र था। उसकी प्रेमिका उसी जेल के जेलर की पुत्री थी जहाँ उसको बंद किया गया था। उस वेलेंनटाइन नाम के शख्स ने प्रेम पत्र लिखा " फ्रॉम यूअर वेलेंनटाइन।" आज भी यह वैलेंटाइन पर लिखे जाने वाले हर पत्र के नीचे लिखा रहता है। क्लॉडियस ने 14 फरवरी को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया।

तब से उनकी स्मृति में प्रेम दिवस मनाया जाता है। कहा जाता है कि सेंट वेलेंटाइन ने अपनी मृत्यु के समय जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को नेत्रदान किया व जेकोबस को एक पत्र लिखा, जिसमें अंत में उन्होंने लिखा थातुम्हारा वेलेंटाइन। 14 फरवरी के बहाने इस संत के नाम पर पूरे विश्व में यह दिवस मनाया जाने लगा। आज युवाओं में वैलेंटाइन की खुमारी सिर चढ़कर बोल रही है। इस दिन के लिए सभी पलकें बिछाये बैठे रहते हैं।

एआई की सौगात: संभावनाएँ और चुनौतियाँ

गिरीश्वर मिश्र

एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग की दिशा में वैज्ञानिकों और तकनीकविदों ने कमाल की बढ़त हासिल की है और उनके अभियान का क्रम लगातार जारी है। एआई बड़ा संक्रामक है और देश-काल की सीमाओं को तोड़ते-फलांघते वह जल, थल और अंतरिक्ष हर कहीं मनुष्य की अप्रत्याशित रूप से त्वरित पहुँच का विस्तार करता जा रहा है। वैसे तो एआई भी एक नैसर्गिक यानी स्वाभाविक मानवीय बुद्धि का ही करिश्मा है परंतु आज जिस गति से सबकुछ में निर्बाध दखल देते हुए इसके जरिए जो बदलाव लाए जा रहे हैं वे दुनिया का नक़्शा ही बदल रहे हैं। निर्माण अपने निमार्ता की नियति तय करता दिख रहा है। आज वर्चुअल और डिजिटल को इस तरह स्थापित किया जा रहा है कि उनके आगे सत्य और यथार्थ हिलने-काँपने लगा है। मनुष्य सत्य और असत्य (झूठ) पर भरोसा करता आ रहा है। सत्य अर्थात् वह जिसका अस्तित्व है (सत्) परन्तु अब नाना प्रकार के सत्य अस्तित्ववान हो रहे हैं जिनमे अपनी पसंद से चुनना होता है पर जिस भी संस्करण के सत्य उभर रहे हैं उनके पीछे आ आई का हाथ जरूर होता है। वैसे तो किसी भी तरह के चुनाव का आधार मुख्य नियामक होता है ताकि होड़ लेते विभिन्न सत्यों के कई प्रत्याशियों के बीच असली या उपयोगी सत्य को खोज कर पहचाना जा सके। सत्य के साथ स्थिरता, निरंतरता और सातत्य या फिर अपरिवर्तनशीलता और विश्वसनीयता जैसे मानक भी स्वाभाविक रूप से जोड़ दिए जाते रहे हैं। परम और नित्य सत्य की परिकल्पना हमें ईश्वर के करीब पहुँचा देती है। आज जब सत्य के निर्माण की छूट मिल रही है तो उसके कई परिणाम सामने आ रहे हैं। सारी कानूनी मशीनरी सत्य का बाजार चला रही है। वह प्रमाण और साक्ष्य के माध्यम से मुकदमा चलने के दौरान मुल्तबी सत्य को अपने बल पर सत्य के खाँचे में फिट कर देती है। वकील और गवाह मिल कर सत्य रचते और तय करते हैं और वह जज के सत्यबोध से मेल खा जाए तो वह सुच्चा या निखालिस सच बन जाता है। यह दृष्टि सत्य की अस्थिरता या सापेक्षिकता और अन्ततः बहुलता की तरफ ले जाती है जिसके अच्छे-बुरे दोनों तरह के परिणाम हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता बहुत आगे जा रही है। वह वास्तविक बुद्धिमत्ता के उपयोग के अवसरों और अभ्यासों को जिस तरह बदल रही है उससे हमारी आदतें, व्यवहार शैली और जीने का अंदाज सबकुछ बदलता जा रहा है। इस तरह का व्यापक नवाचार हमारी अपने बारे में समझ को भी बदल रहा है। मनुष्यता के स्वभाव, बच्चों के पालन-पोषण, पढ़ाई-लिखाई आदि मनुष्य के रूप में निर्माण जैसे जरूरी उपायों के स्वरूप को प्रभावित कर रहा है। जीवन में एआई प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हर तरफ उपस्थित है। पिछले कुछ दिनों में डीप फेक और साइबर अरेस्ट जैसी घटनाओं ने एआई के उपयोग के अतिरेक से पैदा हो रही तमाम मुश्किलों की ओर ध्यान आकर्षित किया है जिनका संबंध जीवन की गुणवत्ता से है। एआई की पहुंच का विस्तार या रेंज बढ़ता ही जा रहा है। निजी जीवन में उसकी दखल दुरभिसंधि, भयादोहन, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, आर्थिक घोटाले और व्यापार जगत सबको संत्रस्त करने वाला साबित हो रहा है। एआई के उपयोग से काम में सुभीता, शीघ्रता और मात्रा को ध्यान में रखते हुए आज विभिन्न देशों में अपनी एआई की क्षमता बढ़ाने के लिए होड़ मची हुई है। भारत भी इसमें शामिल हो रहा है। औद्योगिक क्रांति जैसी क्रांति का लाभ न पाकर हम अब यह सोच रहे हैं कि एआई क्रांति से बड़ी लम्बी छलांग लगा लेंगे-यह आकर्षक पर खतरनाक हो सकता है। कुछ दिन पहले भारतीय मूल के नोबल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक वेंकी रामकृष्णन ने जयपुर में बोलते हुए स्पष्ट रूप से एआई की संभावनाओं के साथ इससे जुड़े बड़े खतरों की ओर ध्यान खींचा, शायद उससे निपटने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता काफी न होगी। उसके किए समानुभूति, इतिहास और संस्कृति की समझ की भी दरकार होगी। बिना उस व्यापक संदर्भ के हमारे समाधान छिछले, संकुचित और नुकसानदेह हो सकते हैं। सबकुछ तकनीक विशारदों पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई के नैतिक और सामाजिक आयाम भी हैं। शिक्षा में वे मानविकी और विज्ञान परौद्योगिकी दोनों को महत्व देने की वकालत कर रहे थे। तकनीकी और मानविकी के बीच की खाई पाटी जानी चाहिए। एआई का नियंत्रित उपयोग वहां हितकारी हो सकता है वहां कार्य क्षमता, उत्पादकता आदि जरूरी हों। हमें पूरा सच देखना होगा। प्राचीन ऋषियों ने ऐसे ही नहीं कहा था कि स्वर्ण के ढक्कन से सत्य का मुख ढंका हुआ है- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यासपिहितम् मुखम। अतीत से विच्छिन्न, मूलहीन सभ्यता की नई इबारत लिखने वाली सोच अधूरी है। उसके हिसाब से हम सब एक डाटा प्वाइंट होते जा रहे हैं।

उत्तर कोरिया और रूस के बीच रणनीतिक वार्ता: 'शाश्वत रणनीतिक साझेदारी' को मजबूत करने का संकल्प

एजेंसी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया (डीपीआरके) और रूस ने द्विपक्षीय संबंधों को शाश्वत रणनीतिक साझेदारी में बदलने के अपने इरादे को दोहराया और एक-दूसरे को पूर्ण समर्थन देने का संकल्प लिया। यह संकल्प उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय शहर वॉनसान में आयोजित दूसरी रणनीतिक वार्ता के दौरान लिया गया। इसकी जानकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने दी। उत्तर कोरियाई विदेश मंत्री चो सोन हुई और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच हुई इस वार्ता में दोनों पक्षों ने उत्तर कोरिया-रूस संबंधों को तेजी से विकसित करने के तत्काल और व्यावहारिक मुद्दों पर गहन चर्चा की। संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों देश समग्र रणनीतिक साझेदारी की संधि की भावना और सभी अनुच्छेदों को निष्ठापूर्वक लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपने ऐतिहासिक संबंधों को स्थायी रणनीतिक संबंधों में बदलने का इरादा रखते हैं। दोनों पक्षों ने संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय न्याय की रक्षा के लिए रणनीतिक संवाद और सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई। बयान में कहा गया कि रूसी पक्ष ने राज्य सुरक्षा और प्रभुत्व की रक्षा के लिए डीपीआरके के न्यायोचित प्रयासों का दृढ़ समर्थन व्यक्त किया। वहीं उत्तर कोरिया ने भी यूक्रेन संकट के मूल कारणों को समाप्त करने और रूस की राष्ट्रीय संप्रभुता व सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों का पूर्ण समर्थन जताया।

ट्रंप और नाटो महासचिव के बीच बैठक तय, यूक्रेन को हथियार बिक्री योजना पर होगी अहम बातचीत

ब्रिजवॉटर (न्यू जर्सी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह नाटो के महासचिव मार्क रुटे से मुलाकात करेंगे। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब ट्रंप प्रशासन यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति के लिए एक नई योजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत नाटो सहयोगी देश अमेरिकी हथियार खरीदकर उन्हें यूक्रेन को सौंप सकेंगे। नाटो ने एक बयान में कहा कि महासचिव मार्क रुटे सोमवार और मंगलवार को वाशिंगटन में होंगे, जहां वह ट्रंप के अलावा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेकसेथ और कांग्रेस के अन्य सदस्यों से मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस ने इस यात्रा पर कोई तत्काल टिप्पणी नहीं की है।

यूक्रेन को हथियार पहुंचाने की योजना

विदेश मंत्री रुबियो ने कहा है कि यूक्रेन को जिन अमेरिकी हथियारों की आवश्यकता है, वे पहले से ही कुछ यूरोपीय नाटो देशों के पास मौजूद हैं। इन हथियारों को सीधे यूक्रेन भेजा जा सकता है और उनकी भरपाई के लिए यूरोपीय देश अमेरिका से नए हथियार खरीद सकते हैं। फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु ने भी कहा है कि उनकी सरकार अमेरिका से यूक्रेन के लिए एयर डिफेंस सिस्टम की मांग कर रही है, लेकिन फ्रांस अगले वर्ष तक नई जमीनी-हवा मिसाइलें देने में असमर्थ है।

गाजा में इजराइली हमलों में कम से कम 30 लोगों की मौत, युद्ध में मृतकों की संख्या 58,000 पार

देइर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमलों में गाजा पट्टी में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 6 बच्चे भी शामिल हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब मध्यस्थ युद्धविराम के प्रयासों में लगे हुए हैं, लेकिन इजराइल और हमास के बीच कोई ठोस प्रगति नहीं हो पाई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक इस 21 माह से चल रहे युद्ध में मरने वालों की संख्या 58,000 से अधिक हो चुकी है। मृतकों में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। मंत्रालय यह स्पष्ट नहीं करता कि मृतकों में कितने आम नागरिक और कितने लड़ाके हैं। मध्य गाजा के नुसेरात इलाके में एक जल-संग्रह स्थल पर इजराइली हमले में 6 बच्चों समेत 10 लोगों की मौत हो गई। अल-अवदा अस्पताल के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। प्रत्यक्षदर्शी रमजान नास्सर ने बताया कि लोग लगभग दो किलोमीटर दूर से पानी भरने आए थे, तभी विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि लोग चीखते-भागते नजर आए, कई जमीन पर गिर गए।

दो संदिग्ध यात्रियों की सूचना के बाद दिल्ली जा रहा नेपाल एयरलाइंस का विमान रनवे से वापस किया गया

काठमांडू। काठमांडू से दिल्ली के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार नेपाल एयरलाइंस के विमान में दो संदिग्ध यात्रियों की सूचना होने के बाद विमान को रनवे से वापस किया गया। दोपहर को नेपाल एयरलाइंस के विमान संख्या आर ए 217 काठमांडू से दिल्ली के इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा तक उड़ान भरने के लिए पूरी तरह से तैयार हो गया था। एयरबस के वाइड बॉडी वाले इस विमान को दोपहर को अपने निर्धारित समय 1320 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरने की पूरी तैयारी कर ली थी। विमान में सवार यात्रियों ने बताया कि नेपाल एयरलाइंस का यह विमान रनवे से उड़ान भरने ही वाला था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने की चीनी उपराष्ट्रपति से मुलाकात, भारत-चीन संबंधों को सामान्य करने पर जोर

एजेंसी

बीजिंग । भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-चीन संबंधों को सामान्य करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे दोनों देशों को ÷पारस्परिक रूप से लाभकारी÷ परिणाम मिल सकते हैं। उन्होंने पड़ोसी देशों और प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के रूप में खुली बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान को महत्वपूर्ण बताया। विदेश मंत्री ने सोमवार को ही बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के महासचिव नूरलान येरमेकबायेव से भी मुलाकात की।

उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, ÷आज बीजिंग में एससीओ महासचिव नूरलान येरमेकबायेव से मिलकर खुशी हुई। एससीओ के योगदान और महत्व के साथ-साथ इसके कामकाज को आधुनिक बनाने के प्रयासों पर भी चर्चा हुई।

जयशंकर तीन दिन के दौरे पर

चीन पहुंचे हैं, जहां वे तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। बीजिंग पहुंचते ही उनकी चीनी उपराष्ट्रपति से मुलाकात हुई। बैठक की शुरुआत में जयशंकर ने कहा, पिछले साल अक्टूबर में कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद से हमारे द्विपक्षीय संबंध लगातार बेहतर हो रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इस यात्रा के दौरान मेरी चर्चाएं इस सकारात्मक दिशा को बनाए रखेंगी। इस साल भारत-चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर जयशंकर ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने को एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह यात्रा कोविड-19 महामारी और सीमा तनाव के कारण पांच साल तक बंद थी।उन्होंने कहा, कैलाश मानसरोवर यात्रा का दोबारा शुरू होना भारत में बहुत सराहा जा रहा है। हमारे संबंधों का निरंतर सामान्यीकरण दोनों देशों के लिए लाभकारी हो सकता है। वैश्विक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए जयशंकर ने कहा, आज की वैश्विक स्थिति बहुत जटिल है। पड़ोसी देशों और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन के बीच खुला संवाद बहुत जरूरी है। मुलाकात के बाद जयशंकर ने एक्स पर लिखा, बीजिंग पहुंचने के तुरंत बाद उपराष्ट्रपति हान झेंग से मिलकर खुशी हुई। मैंने चीन की एससीओ अध्यक्षता के लिए भारत के समर्थन की बात कही।

अफगानिस्तान: हेलमंद प्रांत में बड़ी मात्रा में हथियार बरामद, 58 गिरफ्तार

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के दक्षिणी प्रांत हेलमंद में पुलिस ने बीते तीन महीनों के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। इस दौरान 58 लोगों को विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में गिरफ्तार भी किया गया है। यह जानकारी प्रांतीय आपराधिक नियंत्रण निदेशक मौलवी अब्दुल सत्तार अमीन ने दी। अधिकारी के अनुसार, हेलमंद की राजधानी लश्कर गाह और अन्य कई जिलों में हुए अभियानों के दौरान निम्नलिखित हथियार बरामद किए गए। जिसमें 45 पिस्तौल, 7 कलाशनिकोव राइफलें, 9 अन्य प्रकार की ऑटोमेटिक राइफलें, सैकड़ों प्रोजेक्टाइल और अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं। बरामद सभी हथियार और गोला-बारूद को संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया गया है। मौलवी अमीन ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 58 लोग चोरी, हथियारबंद लूट और हत्या जैसे गंभीर अपराधों में शामिल थे। उन्होंने चेतावनी दी कि पुलिस

कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी। इससे पहले, हेलमंद के पड़ोसी कंधार प्रांत में एक अन्य अभियान में पुलिस ने 13 एके-47 राइफलें और 6 रॉकेट लॉन्चर बरामद किए थे। ये अभियान आतंकवाद और अवैध हथियारों की तस्करी पर लगाम कसने के उद्देश्य से चलाए जा रहे हैं।

सीनेट रिपोर्ट में खुलासा:सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप पर हमलों की चेतावनी को किया नजरअंदाज

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी सीनेट ने पिछले साल एक चुनावी रैली के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले की जांच के निष्कर्षों की रिपोर्ट जारी की है, जिसमें अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के संचालन और तैयारियों में विफलताओं को उजागर किया गया है। इस घटना को ट्रंप की सुरक्षा में एक गंभीर चूक बताया गया है। अमेरिकी सीनेटर रैंड पॉल ने समिति की अंतिम रिपोर्ट जारी की, जिसमें अमेरिकी सीक्रेट सर्विस (यूएसएसएस) की विफलताओं का जिक्र है। इन्हीं विफलताओं के कारण 13 जुलाई 2024 को पेंसिल्वेनिया के बटलर में डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था। रैंड पॉल सीनेट की होमलैंड सिक्योरिटी एंड गवर्नमेंटल अफेयर्स कमेटी (एचएसजीएसी) के अध्यक्ष भी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 13 जुलाई 2024 को एक बंदूकधारी बटलर में ट्रंप की रैली के पास अमेरिकन ग्लास रिसर्च बिल्डिंग की छत पर चढ़ गया और गोलीबारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में ट्रंप समेत चार लोग घायल हो गए। दमकलकर्मी कोरी कॉम्पेरेटोरे की मौत हो गई। रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि 25 मिनट पहले ही सीक्रेट सर्विस को संदिग्ध हमलावर के बारे में सूचना दी गई थी। संदिग्ध के पास रेंजफाइंडर भी था। इस हमले के बाद, अमेरिकी सीनेट की होमलैंड सिक्योरिटी एंड गवर्नमेंटल अफेयर्स (समिति) और अमेरिकी सीनेट की जांच पर स्थायी उपसमिति (पीएसआई) ने एक संयुक्त-द्विपक्षीय जांच शुरू की। चेयरमैन पॉल ने कहा,बटलर में जो हुआ, वह सिर्फ एक ट्रेजेडी नहीं थी। यह एक स्कैंडल था। यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करने में विफल रही। वह स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करने में विफल रही। एक ऐसे हमले को रोकने में विफल रही, जिसने एक ट्रंप की लगभग जान ले ही ली थी। उन्होंने आगे कहा, इन नाकामियों के बावजूद, किसी को भी नौकरी से नहीं निकाला गया। हम सिर्फ इतना जानते हैं कि मेरी ओर से समन जारी करने के कारण ही थोड़ी-बहुत सजा दी गई। यह अस्वीकार्य है। यह फैसला लेने में कोई एक चूक नहीं थी। यह हर स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की पूरी तरह से विफलता थी, जिसे नौकरशाही की उदासीनता, स्पष्ट प्रोटोकॉल की कमी और प्रत्यक्ष खतरों पर कार्रवाई से चौंकाने वाली अनिच्छा ने और बढ़ा दिया। हमें लोगों को जवाबदेह ठहराना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि सुधार पूरी तरह से लागू हों, ताकि ऐसा दोबारा न हो। समिति की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि यूएसएसएस ने चुनाव अभियान के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों, एसेट्स और संसाधनों के कई अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था।

पुतिन दिन में बात करते हैं तो रात में बम बरसाते हैं, यूक्रेन को अमेरिका भेजेगा पैट्रियट मिसाइल: ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन को 'पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम' भेजेंगे। उनकी सरकार रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने से इनकार करने पर नाराज नजर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मैरीलैंड के ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से कहा, हम यूक्रेन को पैट्रियट भेजेंगे, जिनकी उन्हें सख्त जरूरत है। पुतिन ने वाकई बहुत लोगों को चौंका दिया है। वह दिन में अच्छी बातें करते हैं और फिर शाम को बमबारी कर देते हैं। इससे मुझे समस्या है। मुझे यह पसंद नहीं है। ट्रंप ने बताया कि अभी इस पर फैसला नहीं लिया गया है कि यूक्रेन को कितने पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम भेजने हैं। ट्रंप ने कहा, इस पर अभी फैसला नहीं किया है, लेकिन उन्हें कुछ तो भेजी ही जाएंगी, क्योंकि उन्हें सुरक्षा की जरूरत है। डोनाल्ड ट्रंप बीते हफ्ते यूरोप में नाटो सहयोगियों को हथियार बेचने का फैसला कर चुके हैं, ताकि वह उन्हें कीव को सौंप सकें। अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि यह एयर डिफेंस

सिस्टम नाटो के यूक्रेन को भेजे जाने वाले हथियारों का हिस्सा होंगे, जिसके लिए नाटो अमेरिका को भुगतान करेगा। उन्होंने कहा, हम मूल रूप से उन्हें बहुत ही परिष्कृत सेना की विभिन्न टुकड़ियां भेजने जा रहे हैं। वह हमें उनके लिए शत प्रतिशत भुगतान करने जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते नाटो महासचिव मार्क रट से मुलाकात करने वाले हैं। इस मुलाकात के दौरान कीव को हथियार आपूर्ति करने की योजनाओं पर चर्चा होने की उम्मीद है। मार्क रट की वाशिंगटन डीसी की यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह सोमवार को रूस पर एक बड़ा बयान देने वाले हैं।पैट्रियट (एमआईएम-104) सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और एडवांस विमानों का मुकाबला करने के लिए सतह से हवा में मार करने वाला डिफेंस सिस्टम है, जो अमेरिकी सेना का सबसे एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम है।

विशेषज्ञों की चेतावनी- बांग्लादेश में डेंगू संकट गहराया, खतरे में सभी 64 जिले

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह एक देशव्यापी संकट बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की ओर से डेंगू फैलाने वाले मच्छरों को रोकने के लिए जो कोशिशें की जा रही हैं, वे अपर्याप्त हैं। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्दी और सही तरीके से कदम नहीं उठाए गए, तो यह डेंगू की समस्या पूरे देश के 64 जिलों में फैल सकती है। बांग्लादेश के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, रविवार सुबह तक (24 घंटों में) डेंगू से एक और व्यक्ति की मौत हो गई। इसके साथ ही इस साल में डेंगू से मरने वालों की कुल संख्या अब 56 हो गई है। साथ ही, 420 और

लोग वायरल बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती हुए हैं, जिससे डेंगू के कुल मरीजों की संख्या 14,880 हो गई है। देश में जो नए डेंगू के मामले सामने आए हैं, उनमें बरिशाल डिविजन में 116 मरीज, चटगांव डिविजन (शहर के बाहर) में 79 मरीज, ढाका डिविजन (नगर निगमों के बाहर) में 60 मरीज, ढाका साउथ सिटी कॉरपोरेशन में 57 मरीज और ढाका नॉर्थ सिटी कॉरपोरेशन में 25 मरीज शामिल हैं। कीट वैज्ञानिक कबीरुल बशार ने अंतरिम सरकार से कहा है कि फॉगिंग पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। इसके बजाय, मच्छरों के प्रजनन स्रोतों और उनके पनपने की जगहों को चिन्हित कर खत्म करना जरूरी है। बांग्लादेश के जाने-माने अखबार द डेली स्टार के अनुसार, कबीरुल बशार ने कहा, फॉगिंग सिर्फ उन्हीं जगहों पर की जानी चाहिए जहां डेंगू के पुष्ट मामले सामने आए हैं। हर जगह फॉगिंग करने का कोई खास फायदा नहीं होता, लेकिन फिर भी सरकार इसी को मुख्य तरीका बना रही है। बशार ने आगे कहा कि अगर लोग अपने घरों और आस-पास की जगहों पर मच्छरों के पनपने की जगहें नहीं साफ करेंगे, तो डेंगू को रोकना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने यह भी जोर दिया कि लोगों को जागरूक करना और समाज के सभी लोगों की भागीदारी बहुत जरूरी है। बशार ने कहा कि अब हर जिले में डेंगू का खतरा पहले से ज्यादा गंभीर हो गया है क्योंकि डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर अब हर जिले में मौजूद है।

ओली सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसद चौधरी का मंत्री पद से इस्तीफा

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार से समर्थन वापस लेने वाली नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसद अरुण कुमार चौधरी ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनका त्यागपत्र अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने एक हफ्ते पहले ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। इसी के साथ पार्टी की तरफ से सरकार में सहभागी नागरिक उड्डयन तथा पर्यटन राज्यमंत्री अरुण कुमार चौधरी ने भी अपना इस्तीफा

प्रधानमंत्री को सौंप दिया था। चौधरी ने कहा है कि उन्होंने पांच दिन पहले इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया था। प्रधानमंत्री ने इस्तीफा मंजूर नहीं किया है। उन्होंने सरकारी गाड़ी और सुरक्षा गार्ड भी वापस कर दिए हैं। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के पास चार सांसद हैं। पांच सांसदों वाले जनता समाजवादी पार्टी नेपाल ने भी ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। दोनों दलों के समर्थन वापस लेने के बावजूद प्रतिनिधि सभा में सरकार बहुमत में है। लेकिन राष्ट्रीय सभा में सरकार अल्पमत में आ गई है।

मालवाहक जहाज पर हूती हमले में चालक दल के 4 सदस्य मारे गए, ब्रिटेन ने की निंदा

एजेंसी

अदन (यमन) । लाल सागर में मालवाहक जहाज पर हूती विद्रोहियों के हमलों में चालक दल के चार सदस्य मारे गए हैं। ब्रिटेन ने इसकी पुष्टि की है और बताया कि लाइबेरिया-ध्वजवाहक जहाज 'इटरनिटी-सी' पर सवार कई अभी लापता हैं। ब्रिटेन के यमन स्थित दूतावास ने 'इटरनिटी-सी' के सभी चालक दल के सदस्यों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई करने की भी मांग की। ब्रिटेन ने 'मैजिक सी' और 'इटरनिटी-सी' जहाजों पर हूती हमलों की निंदा करते हुए एक बयान जारी किया। दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, यूनाइटेड किंगडम लाल सागर में मालवाहक जहाजों 'मैजिक-सी' और 'इटरनिटी-सी' पर अनुचित हूती हमलों की निंदा करता है, जिसके परिणामस्वरूप जहाज डूब गए और कम से कम चार चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई, जबकि कई

अन्य लापता हैं। पोस्ट में आगे लिखा, हम हूतियों से आह्वान करते हैं कि वे 'इटरनिटी-सी' के सभी जीवित चालक दल के सदस्यों को तुरंत और बिना शर्त रिहा करें। हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और आशा करते हैं कि लापता लोग जल्द से जल्द अपने परिवारों से मिल जाएंगे। ब्रिटेन ने यह भी कहा कि हूती विद्रोहियों की ओर से इस तरह के हमलों को दोबारा शुरू करना और हिंसा को बढ़ाना अंतरराष्ट्रीय कानून और नौवहन की स्वतंत्रता का घोर उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी कि इन हमलों के सबसे बड़े शिकार निर्दोष नाविक और स्थानीय नागरिक हैं।

ब्रिटेन ने बयान में कहा, इन हमलों के जारी रहने से क्षेत्र में अधिक अस्थिरता पैदा होने और यमन को शांति के स्थायी मार्ग से और दूर धकेलने का खतरा है। हूतियों को अपना आक्रमण तुरंत बंद करना चाहिए। पिछले हफ्ते हूती विद्रोहियों ने दो मालवाहक जहाजों को निशाना बनाया, जो ग्रीस की कंपनियों की ओर से संचालित थे। हूतियों ने दावा किया कि वे इजरायली बंदरगाहों की ओर जा रहे थे, इसी वजह से उन्हें निशाना बनाया गया। ये हमले हूती विद्रोहियों के उस समुद्री अभियान का हिस्सा हैं जो वे उन जहाजों के खिलाफ चला रहे हैं जिनका इजरायल से संबंध है।

गिनी-बिसाऊ के बिजागोस द्वीपसमूह को मिला यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा

एजेंसी

बिसाऊ (गिनी-बिसाऊ) । पश्चिम अफ्रीका के गिनी-बिसाऊ स्थित बिजागोस द्वीपसमूह को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। यूनेस्को ने इसकी घोषणा की है। कोस्टल एंड मरीन इकोसिस्टम्स ऑफ बिजागोस आर्किपेलागो-ओमाटी मिन्हो नामित यह नया सूचीबद्ध कोस्टल और मरीन इकोसिस्टम की एक शृंखला को शामिल करता है, जो इस क्षेत्र के कुछ सर्वोत्तम संरक्षित समुद्री और अंतःज्वारीय पर्यावरणों में से एक है।

'समाचार एजेंसी ' के अनुसार, पश्चिम अफ्रीका के तट पर स्थित बिजागोस द्वीपसमूह को अफ्रीकी अटलांटिक तट पर एकमात्र सक्रिय डेल्टाई द्वीपसमूह और दुनिया में अपनी तरह के कुछ द्वीपसमूहों में से एक माना जाता है। इस द्वीपसमूह का क्षेत्र अद्भुत जैव विविधता से भरपूर है और पारंपरिक स्थानीय जीवनशैली से जुड़ा हुआ है।यूनेस्को के अनुसार,

यह स्थल कई दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों का आश्रयस्थल है, जिनमें ग्रीन और लेदरबैक कछुए, पश्चिमी अफ्रीकी मैनेटी और डॉल्फिन की कई प्रजातियां शामिल हैं। 8,70,000 से ज्यादा प्रवासी समुद्री पक्षी हर साल बिजागोस द्वीपसमूह को अपने प्रमुख पड़ाव या शीतकालीन प्रवास स्थल के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इस द्वीपसमूह के इकोसिस्टम में मैंग्रोव, मडफ्लैट्स और इंटरटाइडल जोन शामिल हैं, जो समुद्री जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह क्षेत्र दुर्लभ पौधों की प्रजातियों, विविध मछली आबादी और महत्वपूर्ण पक्षियों का भी घर है। द्वीपसमूह का एक हिस्सा पोइलाओ द्वीप, समुद्री कछुओं, विशेष रूप से हरे कछुओं के लिए विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण अंडे देने वाला स्थल माना जाता है। यही कारण है कि यह क्षेत्रीय संरक्षण प्रयासों का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। यह द्वीपसमूह 10,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें विशाल रेत के टीले और मडफ्लैट्स शामिल हैं। इसमें कुल 88 द्वीप और टापू हैं, जिनमें से केवल लगभग 20 द्वीपों पर स्थायी रूप से लोग बसे हुए हैं।

इस्राइल-गाजा संघर्ष विराम पर ट्रंप ने दिया बड़ा संकेत, बोले- अगले हफ्ते समाधान संभव

एजेंसी

गाजा। गाजा में इस्राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस मुद्दे पर बातचीत जारी है और उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक कोई ठोस समाधान निकल सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोहा में चल रही संघर्षविराम की बातचीत फिलहाल ठहर गई है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि गाजा पर बातचीत चल रही है और उम्मीद है कि हम अगले हफ्ते तक इसे सुलझा लेंगे। ट्रंप का यह बयान उनके पहले के बयानों की तर्ज पर था, जिनमें उन्होंने मध्य पूर्व में स्थायी शांति की दिशा में काम करने की बात कही थी। ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका लगातार प्रयास कर रहा है कि गाजा में संघर्ष को खत्म करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को एक टेबल पर लाया जा सके। हालांकि, दोहा में हो रही संघर्षविराम की बातचीत फिलहाल रुक गई है, लेकिन अमेरिकी पक्ष की कोशिश जारी है। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, अमेरिका की टीम कतर, मिस्र और इस्राइल के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। बातचीत के केंद्र में गाजा में युद्धविराम, बंधकों की रिहाई और मानवीय सहायता की अनुमति जैसे प्रमुख मुद्दे हैं। गाजा में लड़ाई अब तक हजारों लोगों की जान ले चुकी है। इस्राइल की मांग है कि सभी बंधकों को रिहा किया जाए, जबकि हमास गाजा में इस्राइली सेना की वापसी की शर्त पर ही समझौते के लिए तैयार है।

मानवाधिकार संस्था ने बांग्लादेश में 'अल्पसंख्यक उत्पीड़न' के खिलाफ उठाई आवाज, हाईकोर्ट का खटखटाया दरवाजा

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश अल्पसंख्यक मानवाधिकार कांग्रेस (एचआरसीबीएम) ने देशभर में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका (पीआईएल) का उद्देश्य देश में अल्पसंख्यकों के प्रति हो रहे कानूनी उत्पीड़न को उजागर करना है। एचआरसीबीएम ने सोमवार को जारी किए गए एक बयान में कहा, 'बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय के उच्च न्यायालय प्रभाग में प्रस्तुत यह आगामी जनहित याचिका केवल एक कानूनी कार्रवाई नहीं है - यह उस देश में न्याय की पुकार है जहां 39 लाख से ज्यादा आपराधिक मामले लंबित पड़े हैं और जहां जहां अनियंत्रित शक्तियों ने अभियोजन को ही जुल्म करने वाला बना दिया है। न्याय के इस 'हथियारीकरण' का एक भयावह उदाहरण एक प्रतिष्ठित साधु और समाज सुधारक चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी की चल रही नजरबंदी है। उन्हें सबसे पहले एक निजी व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से दायर राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था - जो बांग्लादेशी कानून का उल्लंघन है जो केवल राज्य को (दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 196 के अनुसार) राजद्रोह का आरोप लगाने की अनुमति देता है। इस आरोप के निराधार होने और बढ़ते जन आक्रोश के बावजूद, चिन्मय प्रभु जेल में ही हैं।'

मानवाधिकार संस्था ने खुलासा किया कि चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका, जो अब सर्वोच्च न्यायालय के अपीलीय प्रभाग के समक्ष लंबित है, का महीनों से कोई समाधान नहीं हुआ है। तब से, इसमें कहा गया है कि वह कई 'मनगढ़ंत मामलों' में उलझा हुआ है, जिसमें 'हत्या के झूठे आरोप' भी शामिल हैं। एचआरसीबीएम ने सवाल किया कि क्या 'उनका एकमात्र अपराध सत्ता के सामने सच बोलना और बांग्लादेश के हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों की वकालत करना था। इसमें आगे कहा गया है कि उसका मामला ÷राज्य की व्यापक निष्क्रियता और मिलीभगत का एक सूक्ष्म रूप है - न्याय को कायम रखने का दावा करने वाली व्यवस्था का एक कानूनी मजाक उड़ाना। मानवाधिकार संस्था के अनुसार, एक गहन जांच के बाद, उसने 31 अक्टूबर और 19 दिसंबर, 2024 के बीच दर्ज 15 आपराधिक मामलों की जांच की, और कहा कि इन मामलों में 5,701 व्यक्ति शामिल थे, जिनमें से कई को ÷बिना किसी विशिष्ट आरोप के निशाना बनाया गया।एचआरसीबीएम ने कहा, ÷बेबुनियाद आरोप लगा पुलिस और कुछ इलाके के दबंग, अल्पसंख्यकों को मनमाने ढंग से गिरफ्तार कर रहे हैं - यह रणनीति चटगांव और अन्य जगहों पर विशेष रूप से देखी जा रही है। इस तरह की प्रथाएं न केवल संवैधानिक सुरक्षा को कुचलती हैं, बल्कि पहले से ही कमजोर आबादी को और भी ज्यादा विभाजित करती हैं। इसमें आगे कहा गया है, पीढ़ियों से, बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा, विस्थापन और कानूनी उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। आज, झूठे आपराधिक मामले इस दुर्व्यवहार के एक नए आयाम का प्रतिनिधित्व करते हैं - जो प्रणालीगत भी है और खामोश से भी।जनहित याचिका में बिना उचित जांच के बड़े पैमाने पर आरोप दर्ज करने के लिए एफआईआर प्रक्रिया के मनमाने इस्तेमाल को चुनौती देने की मांग की गई है। साथ ही दुरुपयोग की चपेट में आने वाले मामलों में प्रारंभिक जांच अनिवार्य करने के लिए न्यायिक निर्देशों का आग्रह किया गया है। इसके अतिरिक्त, इसमें दुर्भावनापूर्ण अभियोजन में शामिल अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की गई है और झूठे मामलों का आकलन और रिपोर्ट करने के लिए एक न्यायिक जांच या एक आयोग बनाने का आह्वान किया गया है।

न्यूज फ्लैश

मलेंद्र राजन ने पंचायतों को दीं 48 सौर लाइटें, मंडी आपदा राहत के लिए की मदद की अपील

दिव्य दिल्ली इंदौर

इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने आज पीडब्ल्यूडी डिवीजन इंदौरा परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेकर क्षेत्र की 14 पंचायतों को 6 लाख रुपये लागत की 48 सौर लाइटें वितरित कीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देकर प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा से न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि गांवों में रात्रि के समय सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इसके उपरांत विधायक ने बीडीओ कार्यालय इंदौरा में आयोजित बैठक में पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों, आपदा मित्रों, पंचायत प्रधानों तथा स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों से संवाद किया। इस दौरान आपदा प्रबंधन की तैयारियों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि हाल ही में मंडी जिला में भारी वर्षा के चलते व्यापक जनहानि हुई है। इस संकट की घड़ी में उन्होंने क्षेत्रवासियों, समाजसेवियों, दानी सज्जनों एवं उद्योगपतियों से अपील की कि वे प्रभावित लोगों के लिए राशन, कपड़े, बिस्तर, तिरपाल जैसी आवश्यक वस्तुएं दान करें ताकि इन्हें मंडी जिला भेजा जा सके। इसके पश्चात मलेंद्र राजन ने इंदपुर पंचायत कार्यालय में क्षेत्रवासियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों को समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही मेरा संकल्प है और क्षेत्र की हर समस्या का समाधान मेरी प्राथमिकता है विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में गांवों को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। चाहे बात सड़क निर्माण की हो, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं या निर्बाध बिजली की,हर क्षेत्र में तीव्र गति से प्रगति हो रही है।

दिल्ली उद्योग मंत्री से मिले फैक्ट्री मालिक, CTI ने सौंपा 7 सूत्रीय मांग पत्र

दिव्य दिल्ली : दिल्ली

दिल्ली के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के फैक्ट्री मालिकों ने चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) के नेतृत्व में दिल्ली सरकार में उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा से दिल्ली सचिवालय में मुलाकात की। इस बैठक में उद्योगपतियों ने अपनी प्रमुख समस्याएं साझा कीं, जिनमें अत्यधिक सर्कल रेट, लीज होल्ड से फ्री होल्ड की मांग, मिनिमम वेजेज, बिजली की ऊंची दरें, और विभागीय मंजूरियों में जटिलता जैसे मुद्दे शामिल थे। उळक चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि मंत्री ने भरोसा दिलाया है कि दिल्ली सरकार जल्द ही सभी औद्योगिक क्षेत्रों को चरणबद्ध तरीके से फ्री होल्ड करेगी। जहां-जहां सर्कल रेट वास्तविक कीमत से अधिक हैं, उन्हें घटाया जाएगा। उळकने मंत्री को 7 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा, जिसमें बवाना, झिलमिल, भोरगढ़, बादली जैसे क्षेत्रों को फ्री होल्ड करने, दिल्ली में अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा न्यूनतम मजदूरी दरों में कटौती, औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली दरों को तर्कसंगत बनाने, और फैक्ट्रियों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम लागू करने की मांग की गई। इसके अलावा, किराए की फैक्ट्रियों में स्थान परिवर्तन के लिए बार-बार ऊढउउ से लाइसेंस लेने की अनिवार्यता को खत्म करने, और व्यापारी कल्याण बोर्ड में फैक्ट्री मालिकों को भी शामिल करने की बात रखी गई। मंत्री ने यह भी कहा कि व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन जल्द किया जाएगा जिसमें उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को भी जोड़ा जाएगा। बैठक में राजीव गोयल, अशोक गोयल, पवन गर्ग, कैलाश मंगला, राहुल अदलखा, राजेश खन्ना और नईम राजा समेत कई प्रमुख फैक्ट्री प्रतिनिधि मौजूद रहे। उद्योग जगत को उम्मीद है कि सरकार इन मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई करेगी, जिससे दिल्ली में व्यापार और उद्योग को नई गति मिलेगी।

विद्यालय प्रबंधन समितियों में राजनीतिक हस्तक्षेप पर राजकीय शिक्षक संघ पठानकोट का विरोध

दिव्य दिल्ली : पठानकोट (करुनीत रंधावा)

राजकीय शिक्षक संघ पंजाब जिला पठानकोट के अध्यक्ष बोध राज भोआ, राज्य संगठन सचिव सुभाष, जिला पठानकोट के महासचिव अमृत पाल, वित्त सचिव रवि दत्त शर्मा, प्रेस सचिव रविंदर महाजन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रजनीश कुमार ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि आम आदमी पार्टी ने 15 जुलाई से अगले दो वर्षों के लिए गठित होने वाली स्कूल प्रबंधन समितियों में राजनीतिक हस्तक्षेप किया है और क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और शिक्षाकर्मियों के बजाय उन्हें स्कूल प्रबंधन समिति का सदस्य बनाने के लिए जिलों के शिक्षा अधिकारियों को अनुशंसित उम्मीदवारों की सूचियाँ भेजी हैं। जबकि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 21, पंजाब निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार नियम, 2011 के नियम 13 और सरकारी अधिसूचना दिनांक 26/04/2025 के अनुसार, अब अगले दो वर्षों (2025-2027) के लिए सभी प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में सरकारी विद्यालय प्रबंधन समितियों का गठन किया जाना है। इस संबंध में शिक्षा विभाग के निदेशक द्वारा 7 जुलाई को जारी पत्र के अनुसार, प्रत्येक विद्यालय प्रबंधन समिति में कम से कम 6 महिलाओं सहित 12 सदस्य होंगे, जिनमें विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के माता-पिता या अभिभावक, विद्यालय के प्रधानाचार्य, सदस्य सचिव एवं संयोजक, एक शिक्षक सदस्य, क्षेत्र का निर्वाचित जनप्रतिनिधि या उसका नामित व्यक्ति और एक शिक्षा कर्मचारी शामिल होंगे, कुल 16 सदस्य होंगे। हालाँकि, शिक्षाकर्मी और क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधि या उनके द्वारा नामित व्यक्ति का चयन करते समय आम आदमी पार्टी अपने राजनीतिक लोगों को शामिल कर रही है और जिला शिक्षा अधिकारियों को सूचियाँ जारी कर कुछ विशिष्ट व्यक्तियों को समिति सदस्य बनाने के मौखिक संदेश प्राप्त कर रही है। इन सूचियों के साथ आए मौखिक आदेशों के कारण, गाँव के बाहर के लोगों और शिक्षा में रुचि न रखने वाले लोगों को समितियों में शामिल किया जा रहा है और गाँव में उपलब्ध स्नातकों और शिक्षा से जुड़े लोगों की अनदेखी करते हुए उन्हें राजनीतिक रंग देकर समिति में शामिल करने के आदेश दिए गए हैं। कई जिलों में तो दस या उससे अधिक विद्यालयों के लिए एक शिक्षाकर्मी दिया गया है जो उन सभी विद्यालयों की प्रबंध समितियों का सदस्य बनेगा। नेताओं ने सवाल उठाया कि ऐसा सदस्य सभी विद्यालयों की समितियों के साथ कैसे न्याय कर पाएगा। संगठन के नेताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार को अपनी तुच्छ राजनीति छोड़कर विद्यालयों के विकास में योगदान देना चाहिए, शिक्षकों की मांगों और मुद्दों का समाधान करना चाहिए! इस मौके पर राम दास, राजेश कुमार, विनोद अत्री, राजेश रिहान, कश्मीर चंद, जगदीश राज, कपिल देव, बलबीर कुमार, राकेश कुमार, कुलविंदर सिंह आदि शिक्षक नेता मौजूद रहे।

भाषा विवाद की आंधी के बीच विख्यात मराठी कवि संत तुकाराम की फिल्म हिंदी में रिलीज

दिव्य दिल्ली - नई दिल्ली

अजीब विडंबना है कि इन दिनों जब महाराष्ट्र सहित देश के कई शहरों में भाषा विवाद चरम सीमा पर है तो ऐसे में विश्व विख्यात कवि संत तुकाराम की जीवनी पर फिल्म संत तुकाराम हिंदी में बनाई गई ,और फिल्म के यंग निर्देशक आदित्य ओम ने अपनी इस बायोपिक फिल्म को महाराष्ट्र के सभी शहरों में यह फिल्म सिर्फ हिंदी में 18 जुलाई को रिलीज होगी। नई दिल्ली के बिग ओडियन मल्टीप्लेक्स में अपनी इस फिल्म को प्रमोट करने आए आदित्य ओम आए , इस खास मौके पर अनेक रंगकर्मी , साहित्यकार , लेखक, और वरिष्ठ पत्रकार , उच्च अधिकारी भी फिल्म की लीड जोड़ी मराठी फिल्मों के सुपर स्टार सुबोध भावे और एक्ट्रेस शीना चौहान , शिवा सूर्यवंशी, शीशर शर्मा , विख्यात रंगकर्मी अरविंद गौड़ आदि भी निर्देशक आदित्य की इस फिल्म को प्रमोट करने की मुहिम में शामिल हुए। इस फिल्म के युवा निर्देशक , लेखक आदित्य ओम ने यहां मौजूद मीडिया के सवालों की बौछार के बीच बताया 17 वी सदी के संत, समाज सुधारक संत तुकाराम पर फिल्म बनाने का जुनून मैंने अपने अंदर बरसो से समा रखा था, कई वर्ष की शोध और अनेक मराठी लेखकों से मिलने और संत तुकाराम पर बनी पुरानी फिल्मों से प्रेरणा लेकर मैने इस प्रोजेक्ट पर जब काम पर शुरू किया तो मुझे धमकियां तक मिली लेकिन मैंने हार नहीं मानी और जब मराठी फिल्म इंडस्ट्री के सुपर स्टार सुबोध भावे ने इस फिल्म में संत तुकाराम के लीड किरदार निभाने के लिए हामी भर दी तो मेरी एनर्जी कई गुना बढ़ गई। फिल्म के लीड किरदार सुबोध भावे जो मराठी की 90 से ज्यादा फिल्में कर चुके है और इन फिल्मों में से कई फिल्मों बायोपिक है यह सभी फिल्मे बॉक्स ऑफिस पर सुपर हिट रही, सुबोध भावे ने मीडिया कर्मियों को बताया इस किरदार के लिए मैने बहुत होम वर्क किया संत तुकाराम जी के जीवन से जुड़े कई ग्रन्थ पढ़े इस किरदार को जीवंत करने के लिए मैं संत तुकाराम के अनेकों भक्तों तक से मिला।

जिला प्रशासन और एनडीआरएफ ने संयुक्त रूप से उझ नदी पर मॉक ड्रिल की

दिव्य दिल्ली : पठानकोट (करुनीत रंधावा)

जिला प्रशासन और एनडीआरएफ ने संयुक्त रूप से उझ नदी पर बाढ़ के दौरान किए जाने वाले बचाव कार्यों पर एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया। यह मॉक ड्रिल पठानकोट के उपायुक्त श्री आदित्य उप्पल की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें पठानकोट जिले के सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। उपायुक्त श्री आदित्य उप्पल ने कहा कि इस तरह की मॉक ड्रिल के माध्यम से जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय मजबूत होता है और सभी को बचाव कार्यों का प्रशिक्षण मिलता है। उन्होंने कहा कि पठानकोट जिले से कई नदियाँ और नहरें गुजरती हैं और चूँकि पठानकोट जिले के अधिकांश क्षेत्र नदी से सटे हुए हैं, इसलिए यहाँ बाढ़ का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि औज नदी में अचानक बाढ़ आ जाती है, इसलिए मॉक ड्रिल करवाई गई है। इससे लोगों में बचाव कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, वहीं इस प्रशिक्षण से जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों की कार्यकुशलता में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ का मौसम होने के कारण लोगों को जागरूक रहना चाहिए। डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल ने बताया कि एनडीआरएफ की टीम ने बचाव कार्यों में इस्तेमाल होने वाले औजारों और मशीनों की प्रदर्शनी लगाई। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ की टीम ने जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के साथ मिलकर पानी में फंसे लोगों को बचाने के तरीकों की जानकारी दी।

शाहपुर कंडी बैराज से विस्थापित परिवारों का डैमज प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन

दिव्य दिल्ली : पठानकोट (करुनीत रंधावा)

शाहपुर कंडी बैराज बांध से विस्थापित हुए सैंकडों परिवारों ने अपने रोजगार व अन्य उचित मांगों को लेकर डैमज प्रशासन के चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर, थीन डैम वर्कर्ज यूनियन के प्रधान जसवंत संधू व यूनियन के प्रधान बलकार सिंह के नेतृत्व में रोष प्रदर्शन किया। विस्थापित परिवारों व कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि ,उनके प्रभावित परिवारों की ओर से पिछले 105 दिनों से लगातार घरने व रोष प्रदर्शन किए जा रहे है, परंतु न तो बैराज बांध प्रशासन तथा न ही सरकार इस और कोई ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि बैराज बांध प्रशासन व पंजाब सरकार ने बैराज बांध की बनी हुई झील के लिए उनके कई गांवों से उनकी भूमि व आवासों को अधिगृहित किया है, जिसके लिए आर एंड आर पालिसी अनुसार, पुनार्वास मुआवजा व रोजगार देने का प्रावधान है, परंतु बैराज बांध प्रशासन ने अपनी मनमानी करके, गलत नियमों को बना कर उनके साथ धोखा किया है, जिसकारण उनके प्रभावित परिवारों को रोजगार हासिल करने में समस्या बन रही है। । रोष प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की है कि पुरानी आर एंड आर पालिसी को बहाल किया जाए , उनका बनता रोजगार दिया जाए व पुनार्वास मुआवजा दिया जाए । विस्थापित परिवारों ने चेतावनी दी है कि यदि शीध्र ही उनकी उचित मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वह तीस जुलाई को फिर से चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर विशाल रोष प्रदर्शन करेगें। वहीं पर निगरान अभियंता बैराज बांध कुलविंदर सिंह ने बताया कि उनके कार्यालय की ओर से जल स्त्रोत विभाग के उच्चाधिकारियों को उनकी उचित मांगों के लिए सूचित कर दिया गया है तथा आगामी जैसे आदेश जारी होगें, उनका प्रशासन बैसा ही करेगा। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी , कर्मचारी नेता जसवंत संधू, बलकार सिंह, रविंद्र बाबा, बलकार सिंह, रोहित कुमार, सुरजीत सिंह, , युवराज सिंह, सुरिंद्र कुमार मट्टी , पूर्व सरपंच सुरेश सिंह सुबंरिया, विनोद शर्मा, चैन सिंह, , आदर्श वाला, शक्ति देवी, विनोद कुमारी, बीतू देवी, यशोदरा देवी, रजनी देवी , कमलेश कौर, सुनैयना , रमेश कुमार , शाम लाल, राहुल शर्मा, जनक राज, कुलदीप शर्मा, जसविंदर सिंह, धर्मपाल , हरनाम सिंह , अंशू शर्मा , गेजा सिंह, पवन शर्मा , रजत बलोतरा व अन्य उपस्थित थे।

श्री बृजराज स्पोर्ट्स क्लब नूरपुर ने सिराज क्षेत्र में प्रभावित लोगों की मदद की

दिव्य दिल्ली : नूरपुर विनय महाजन

नूरपुर श्री बृज राज स्पोर्ट्स क्लब नूरपुर की एक टीम मंडी (सिराज क्षेत्र) के बाढ़ प्रभावित लोगो की मदद के लिए थुनाग व झंझेली में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में पीड़ितों की सेवा में जुट गई 'श्री बृज राज स्पोर्ट्स क्लब, नूरपुर द्वारा एक सराहनीय मानवता भरा कदम उठाते हुए हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित मंडी ज़िले के सिराज क्षेत्र (थुनाग और झंजैहली) के लोगों की मदद के लिए गई। क्लब के सदस्यों ने नूरपुर क्षेत्र के लोगों, महिला मंडलों और विभिन्न स्थानीय क्लबों के सहयोग से मात्र दो दिनों में चार लाख रुपये से अधिक के आवश्यक राहत सामग्री एकत्रित की।इसके पश्चात क्लब की एक टीम ने तीन दिवसीय दौरा कर स्वयं सिराज क्षेत्र में जाकर राहत सामग्री वितरित की और वहां की स्थिति का जायजा लिया। टीम ने सुनिश्चित किया कि नूरपुर के लोगों से जो सहयोग मिला है, वह सीधे जरूरतमंदों तक पहुँचे और सही हाथों में जाए।क्लब के एक जागरूक सदस्य ईशान महाजन ने बताया कि वहाँ की स्थिति बहुत ही गंभीर और हृदयविदारक थी। "हमने स्थानीय लोगों से बातचीत की, उनके दुःख-संवेदनाएँ साझा कीं और उन्हें हौसला दिया," उन्होंने कहा नूरपुर के सभी नागरिकों, क्लबों और महिला मंडलों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस नेक काम में योगदान दिया ' इस दौरान, श्री बृज राज स्पोर्ट्स क्लब की टीम की मुलाकात पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता श्री जयराम ठाकुर और उनकी धर्मपत्नी डॉ. साधना ठाकुर से भी हुई। क्लब ने उनसे अनुरोध किया कि भविष्य में यदि और सहायता की आवश्यकता हो तो उन्हें संपर्क किया जाए। इस पर ठाकुर जयराम ने आश्वासन दिया कि जरूरत पड़ने पर श्री बृज राज स्पोर्ट्स क्लब से फिर संपर्क किया जाएगा, और उन्होंने क्लब के इस सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

आक्सीलियम इंटरनेशनल स्कूल रानीपुर में वन महोत्सव बना दो सौ पौधों को रोपण किया

पठानकोट (करुनीत रंधावा)

ऑक्सीलियम इंटरनेशनल स्कूल में स्कूल की चेयरपर्सन श्रीमति रूचि चौहान की अध्यक्षता में पौधारोपण करके वन महोत्सव मनाया गया। इस वन महोत्सव में कक्षा तीसरी से सातवीं तक के स्टुडैंटस ने सक्रिय भागीदारी निभाई। चेयरपर्सन श्रीमति रूचि चौहान ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाने और वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम करवाया गया है। इस वन महोत्सव पर पूरे स्कूल की परिसर में दो सौ से अधिक औषधयुक्त, छायादार, फलदार व अन्य सजाबटी पौधों का रोपण करके, उनकी पूरी संभाल का जिम्मा लिया गया। कार्यक्रम में जीवनदायिनी संसाधनों और मानव जीवन के साथ उनके गहरे संबंध पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि पेड़ केवल हरियाली नहीं, जीवन का आधार हैं ।

पर्यावरण को संतुलित करने के लिए कक्षा तीसरी से सातवीं तक के छात्रों ने विद्यार्थियों लघु नाटक पेश करके, पेडों की महत्वता की संदेश दिया।

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता पुन्नू राम की एक भेंट वार्ता

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर विधानसभा क्षेत्र खजिया के निवासी भाजपा के सीनियर कार्यकर्ता व बीजेपी प्रकोष्ठ सेंट के पूर्व अध्यक्ष व हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड यूनियन के पूर्व उपाध्यक्ष पुन्नू राम,(83) जिन्होंने अपना जीवन भाजपा के लिए अर्पित किया है बिना किसी मोह के' उन्होंने एक भेट वार्ता में कहा कि भाजपा हाई कमान ने 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रणवीर सिंह निक्का को टिकट देकर जो निर्णय लिया उसका हमने कभी भी इस मामले में सोचा भी नही था कि केंद्रीय भाजपा हाई कमान द्वारा बीजेपी प्रत्याशी के लिए ऐसा निर्णय लिया जा सकता था।

नशे के खिलाफ चलाए गए अभियान में जनता होने लगी जागरूक

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अन्तर्गत नशा माफिया के खिलाफ बड़ी कार्यवाही अमल में लाते हुये पुलिस थाना इंदौरा के क्षेत्र के गांव मलाहड़ी कांगड़ में नाकाबंदी के दौरान एक गाड़ी न0 लफ27 ऋ 1179 में सवार विकास कुमार पुत्र सरदारी लाल, उम्र 30 वर्ष व विशाल कुमार पुत्र यशपाल सिंह, उम्र 28 वर्ष दोनों गांव व डा० भदरोया, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा, हि०प्र० के कब्जे से 13.01 ग्रांम चिटटा बरामद करने में सफलता प्राप्त की' यह जानकारी जिला पुलिस अधीक्षक अशोक रत्न ने एक प्रेस विज्ञप्ति देते हुए बताया कि उपरोक्त आरोपियों के विरुद्ध थाना इंदौरा में अभियोग संख्या 118 / 25 दिनांक 14.07.25 अधीन धारा 21, 25, 29 एन डी एन्ड पी एस एक्ट के अधीन पंजीकृत करके उपरोक्त आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है' इस मामले में नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है । इस मामले मे गिरफतार दोनों आरोपी कुख्यात नशा तस्कर हैं जिन पर अन्य अभियोग भी पंजीकृत हैं। भविष्य में भी जिला पुलिस नूरपुर का नशे के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा।आरोपी का नाम व अपराध का इतिहास विकास कुमार पुत्र सरदारी लाल निवासी गांव व डा० भदरोया, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा, हि0 प्र0 उम्र 30 वर्ष जिस पर कई मामले अपराध के हिमाचल व पंजाब में पंजीकृत है 'विशाल पुत्र यशपाल निवासी गांव व डा० भदरोया, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा, हि०प्र० उम्र 28 वर्ष भी शामिल है '

ऑपरेशंन सिंदूर विषय पर छात्रों को जागरूक किया

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

राजकीय आर्य महाविधालय नूरपुर में आज एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया' जिसमें भारतीय सेना के 81 आर्मर रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल निशांत रथ ने "ऑपरेशन सिंदूर" विषय पर छात्रों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के एन सी सी, एन एस एस एवं रॉवर रेंजर इकाई के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कर्नल निशांत रथ ने ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि, रणनीतिक महत्वऔर इसके दौरान भारतीय सेना द्वारा किए गए अद्वितीय सैन्य प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार यह ऑपरेशन भारतीय सुरक्षा बलों की दृढ़ संकल्प और रणनीतिक कुशलता का प्रतीक रहा है। कर्नल ने युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हर नागरिक का दायित्व है कि वह देश की सुरक्षा और विकास में अपनी भूमिका निभाए।कर्नल निशांत रथ ने ऑपरेशन सिंधूर के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जो मई 2025 में पाकिस्तान और पीओके में आतंकवाद के बाजारों और ठिकानों को निशाना बनाने के लिए भारतीय सेना द्वारा शुरू किया गया एक त्वरित और सटीक सैन्य अभियान था। इस ऑपरेशन की योजना तुरंत पहलगाम हमले के बाद बनाई गई थी, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या हुई थी। ऑपरेशन सिंधूर में भारतीय सेना ने नौ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें उन्नत ड्रोन, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक का इस्तेमाल करते हुए बिना किसी भारतीय सैन्य संपत्ति के नुकसान के सफलता हासिल की गई। उन्होंने बताया कि यह हमला केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से पाकिस्तान की अफवाहवादी क्षमताओं को नष्ट करने के लिए था। भारतीय वायु सेना और सेना के संगठित और आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी हमला ड्रोन और मिसाइलों को प्रभावी तरीके से विफल कर दिया।

ऑपरेशन सिंधूर के दौरान पांच भारतीय सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी, जिनका भी कर्नल ने सम्मानपूर्वक उल्लेख किया। इस व्याख्यान ने छात्रों में भारतीय सेना मे शामिल होने की प्रेरणा जगाई और यह स्पष्ट किया कि देश की रक्षा में सेना की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल निशांत रथ ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ठाकुर का मेमेंटो देकर सम्मान किया गया' यह कार्यक्रम भारतीय सेना की ताकत और उनकी आधुनिक रणनीतियों को समझने का उत्कृष्ट प्रयास रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सीमा ओहरी द्वारा किया गया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन भी प्रोफेसर सीमा ओहरी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय से एन सी सी से 65, एन एस एस से 50 एवं रॉवर रेंजर के 20 स्वयंसेवक एन सी सी प्रभारी लेफ्टिनेंट सुरजीत कुमार, एन एस एस के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर सुरजीत सिंह, एवं रॉवर के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर शिव उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य डॉ दिलजीत सिंह, प्रोफेसर अंजना, प्रोफेसर रीमा, डॉ सोहन, डॉ सत्य प्रकाश, डॉ मनोज एवं अन्य आचार्य मौजूद रहे

104वें भी चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर विशाल रोष प्रदर्शन और धरना दिया

दिव्य दिल्ली : पठानकोट (करुनीत रंधावा)

शाहपुर कंडी में डैमज प्रशासन के चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर बैराज बांध की बनी हुई झील से विस्थापित हुए सैंकडों परिवारों ने अपने रोजगार व अन्य मुआवजों की मांग को लेकर 104वें दिन भी अपनी भूख हडताल व रोष प्रदर्शन बैराज बांध औसती संघर्ष कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारी कामरेड व कर्मचारी नेता जसवंत संधू की अध्यक्षता में शाहपुर कंडी के बैनर तले जारी रखा । आज 104वें दिन पर प्रेम सिंह कोट, आशीष महाजन शाहपुर कंडी, केश्व सिंह कोट, अक्षय कुमार अवां, व भाग सिंह अवां ने अपनी भूख हडताल जारी रखी। विस्थापित परिवारों व कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि , बैराज बांध प्रशासन व पंजाब सरकार ने बैराज बांध की बनी हुई झील के लिए उनके कई गांवों से उनकी भूमि व आवासों को अधिगृहित किया है, जिसके लिए आर एंड आर पालिसी अनुसार, पुनार्वास मुआवजा व रोजगार देने का प्रावधान है, परंतु बैराज बांध प्रशासन ने अपनी मनमानी करके, गलत नियमों को बना कर उनके साथ धोखा किया है, जिसकारण उनके हजारों प्रभावित परिवारों को रोजगार हासिल करने में समस्या बन रही है। । रोष प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की है कि पुरानी आर एंड आर पालिसी को बहाल किया जाए , उनका बनता रोजगार दिया जाए व पुनार्वास मुआवजा दिया जाए । इसके साथ ही विस्थापित परिवारों ने चेतावनी दी है कि यदि शीध्र ही उनकी उचित मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वह 15 जुलाई को चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर फिर से विशाल रोष प्रदर्शन व धरना देगें। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी , कर्मचारी नेता जसवंत संधू, रविंद्र बाबा, रोहित कुमार, सुरजीत सिंह, रजत बलोतरा, हरनाम सिंह, कुलदीप शर्मा, रमेश कुमार, धर्मपाल , जसविंदर सिंह, चैन सिंह, विनोद कुमारी, बीतू देवी, यशोदरा देवी, कमलेश कौर व अन्य उपस्थित थे।

21 साल बड़े साउथ सुपरस्टार संग होने वाला था

जान्हवी कपूर

का डेब्यू, खुद कर लिया था अपना नुकसान

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में 7 साल का सफर तय कर लिया है. हिंदी सिनेमा की पहली फीमेल सुपरस्टार रहीं श्रीदेवी और मशहूर प्रोड्यूसर बोनी कपूर की बड़ी बेटी जान्हवी ने माता-पिता की राह पर चलते हुए बॉलीवुड को ही गले लगाया. हालांकि श्रीदेवी उन्हें डॉक्टर बनाना चाहती थीं, लेकिन उन्होंने एक्टिंग की राह चुनी.जान्हवी कपूर ने अपने फिल्मी करियर का आगाज अभिनेता ईशान खट्टर के साथ किया था. लेकिन जान्हवी 21 साल बड़े साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ फिल्मी दुनिया में अपना करियर शुरू कर सकती थीं. हालांकि, जान्हवी ने खुद ही अपना नुकसान कर लिया था.

महेश बाबू के अपोजिट मिला था फिल्म का ऑफर

बताया जाता है कि आमिर खान की फिल्म 'गजनी' और सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' बनाने वाले डायरेक्टर ए.आर.मुरुगदॉस ने एक फिल्म के लिए जान्हवी से संपर्क किया था. वो महेश बाबू के अपोजिट एक फिल्म में जान्हवी को लेना चाहते थे. हालांकि जान्हवी ने ये ऑफर ठुकरा दिया था. एक्ट्रेस ने बॉलीवुड लाइफ को इंटरव्यू में खुलासा किया था कि जब उन्हें ऑफर मिला था तो वो समझ नहीं पाई थीं कि उन्हें डायरेक्टर को क्या कहना चाहिए. एक्ट्रेस के मुताबिक उन्होंने ए.आर.मुरुगदॉस को अपने माता-पिता से बात करने के लिए कहा था.

'धड़क' से धड़काए लाखों दिल

जान्हवी ने हिंदी फिल्म 'धड़क' से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था. ये पिक्चर 2018 में रिलीज हुई थी. उनके हीरो थे ईशान खट्टर. दोनों की जोड़ी काफी पसंद की गई थी और फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की थी. इसका डायरेक्शन शशांक खैतान ने किया था, जबकि इसके प्रोड्यूसर थे करण जौहर.

जान्हवी का वर्कफ्रंट

7 साल के करियर में जान्हवी ने 'गुंजन सक्सेना- द कारगिल गर्ल', 'रूही', 'मिली', 'मिस्टर एंड मिसेज माही', 'बवाल', 'देवारा- पार्ट 1', 'गुड लक जैरी आदि फिल्मों में काम किया है. अब उनके पास 'परम सुंदरी', 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' जैली फिल्में हैं. 'परम सुंदरी' 25 जुलाई को रिलीज होगी. जबकि सनी 'संस्कारी की तुलसी कुमारी' सितंबर 2025 में दस्तक देगी.

पहली बार पीरियड आने पर अक्षय कुमार की वाइफ के साथ क्या हुआ था? ट्विंकल ने ऐसे किया था रिएक्ट

बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपने 33 साल के एक्टिंग करियर में बहुत नाम कमाया है. हालांकि उनकी तरह लोकप्रियता उनकी वाइफ और एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना को नहीं मिल पाई. हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार रहे राजेश खन्ना की बड़ी बेटी ट्विंकल ने कई फिल्मों में काम किया था. लेकिन, उनका एक्टिंग करियर फ्लॉप रहा. इसके बाद उन्होंने एक राइटर के रूप में पहचान बनाई और फिल्में भी प्रोड्यूसर करना शुरू किया.ट्विंकल खन्ना अपने पति अक्षय कुमार की फिल्म 'पैडमेन' को भी प्रोड्यूस कर चुकी हैं. समाज को संदेश देती इस पिक्चर को अक्षय और ट्विंकल ने मिलकर प्रोड्यूस किया था. इस पिक्चर के प्रमोशन के दौरान ट्विंकल ने अपने पहले पीरियड को लेकर भी बात की थी. ट्विंकल को पहली बार पीरियड उस समय आया था जब वो बर्डिंग स्कूल में थीं. आइए जानते हैं इसके बाद एक्ट्रेस ने क्या किया था?

स्कूल में आया था पहला पीरियड

'पैडमैन' पीरियड्स जैसे मुद्दे पर ही बेस्ड थी और इसके प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस खुद के पहले पीरियड के बारे में भी बात करने से नहीं कतराईं. एक्ट्रेस ने खुलकर इस मुद्दे पर बात की थी, जिस पर बोलने में आज भी भारत में लोग झिझकते हैं. एक इवेंट के दौरान ट्विंकल ने कहा था, जब मैं बोर्डिंग स्कूल में थी तब मुझे पीरियड को लेकर कोई जनकारी नहीं थी. वहां मुझे इस बारे में बताने के लिए मेरी मां या मौसी भी साथ नहीं थी.

पीरियड का पता लगते ही कमरे में गई

ट्विंकल ने आगे कहा था कि स्कूल के कैंटीन में उन्हें पहला पीरियड आया था. उन्होंने देखा कि उनकी यूनिफॉर्म गंदी हो चुकी है और उसमें दाग लग गया था. ट्विंकल ने कहा था, ये देखकर मैंने तुरंत दौड़ लगा दी और अपने रूम में जाकर कपड़े बदल लिए. मैं खुशनसीब थी कि वो दाग सिर्फ मैंने ही देखे थे.

ट्विंकल का एक्टिंग करियर

ट्विंकल ने बॉबी देओल के अपोजिट 1995 की फिल्म 'बरसात' से अपने एक्टिंग करियर का आगाज किया था. हालांकि बॉलीवुड में बतौर एक्ट्रेस वो सिर्फ 6 साल ही एक्टिव रहीं और 14 फिल्मों में काम किया. उन्हें आखिरी बार फिल्म 'लव के लिए कुछ भी करेगा' में देखा गया था जो 2001 में आई थी.

अपने फैन से ही इस एक्ट्रेस ने कर ली थी शादी, 2800 करोड़ के मालिक हैं पति

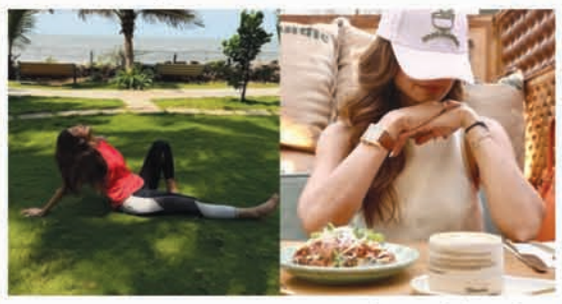

साल था 1993 का. तब एक 17 साल की लड़की ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था. फिल्म के हीरो थे शाहरुख खान और इसमें काजोल भी थीं. फिल्म का नाम था 'बाजीगर', जिसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी. शाहरुख और काजोल के साथ इसमें अहम रोल में शिल्पा शेट्टी भी नजर आई थीं. शिल्पा का करियर काजोल और शाहरुख की तरह तो सफल नहीं रहा, लेकिन वो हिंदी सिनेमा में कामयाबी हासिल करने में कामयाब हुईं.शिल्पा को 90 के दशक की पॉपुलर एक्ट्रेस के रूप में जाना जाता है. शिल्पा आज 50 साल की उम्र में भी फिल्मों में काम कर रही हैं. उन्होंने अपने लंबे करियर में शानदार एक्टिंग के दम पर कई फैंस बनाए. लेकिन, एक फैन ऐसा रहा जिस पर खुद शिल्पा का भी दिल आ गया था. वो उनके पति राज कुंद्रा ही हैं, जिनसे उन्होंने साल 2009 में शादी कर ली थी. राज कुंद्रा एक मशहूर कारोबारी हैं. संपत्ति के मामले में वो बॉलीवुड के बड़े-बड़े सुपरस्टार्स से भी बहुत आगे हैं.

जब बतौर फैन शिल्पा से मिलने पहुंचे राज

शिल्पा शेट्टी ने साल 2007 में अमेरिकी टीवी रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' में हिस्सा लिया था और वो इसकी विजेता भी बनी थीं. इसके बाद शिल्पा के फैन के लिए यूके में एक फैन मीट रखा गया था. तब राज कुंद्रा भी बतौर फैन शिल्पा से मिलने के लिए पहुंचे थे. शिल्पा ने रेडियो ओए को दिए इंटरव्यू में बताया था कि राज को पहली बार देखने पर ही उन्हें उनसे प्यार हो गया था. यहां से मुलाकातों और बातों का सिलसिला चलता रहा.

दो बच्चों के पैरेंट्स हैं दोनों

राज ने पहली शादी कविता नाम की महिला से की थी, लेकिन साल 2006 में दोनों का तलाक हो गया था. इसके बाद राज ने दूसरी शादी शिल्पा से साल 2009 में की थी. दोनों एक बेटे और एक बेटी के पैरेंट्स हैं. कपल के बेटे का नाम वियान है जबकि बेटी का नाम है समीशा.

2800 करोड़ के मालिक हैं राज

लंदन में जन्में राज कुंद्रा कभी शॉल बेचने का काम करते थे. इसके बाद उन्होंने हीरे का कारोबार भी किया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 2800 करोड़ रुपये है. जो अक्षय कुमार और आमिर खान जैसे स्टार्स से भी ज्यादा है.

सुबह उठते ही सबसे पहले क्या करती हैं

कटरीना कैफ

पति विकी कौशल भी हो जाते हैं परेशान

कटरीना कैफ और विकी कौशल की जोड़ी हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा और चर्चित जोड़ियों में से एक है. दोनों जब भी साथ नजर आते हैं तो अपने फैंस को कपल गोल देते हैं. विकी और कटरीना की शादी ने हर किसी को चौंका दिया था, क्योंकि किसी को उम्मीद नहीं थी कि दोनों सेलेब्स एक दूसरे की लाइफ में आ सकते हैं.दोनों की शादी को साढ़े तीन साल से ज्यादा समय हो चुका है. शादी से पहले कपल ने करीब दो साल तक एक दूसरे को डेट किया था. दोनों एक दूसरे से जुड़े कई राज भी फैंस के साथ शेयर कर चुके हैं. लेकिन, आप ये नहीं जानते होंगे कि कटरीना सुबह सबसे पहले उठने के बाद क्या करती हैं? ये खुलासा खुद विकी कौशल ने अपने एक इंटरव्यू में किया था.

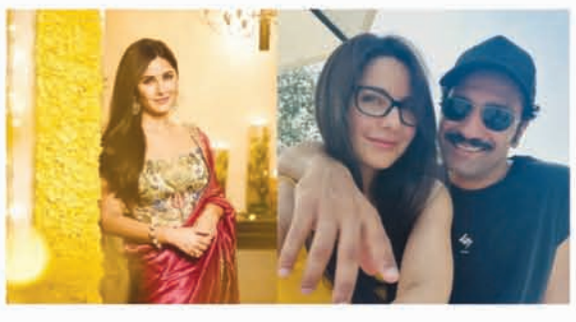

सुबह उठते ही क्या करती हैं कटरीना?

अपनी लेडी लव कटरीना कैफ से जुड़ी एक खास बात विकी कौशल ने अपने एक इंटरव्यू में बताई थी. उन्होंने कहा था कि सुबह जब कटरीना सोकर उठती हैं तो वो एनर्जी से भरपूर रहती हैं. अभिनेता ने कहा था, उनको हर डिस्कशन सुबह सुबह उठते ही करनी रहती है. हालांकि, विकी उनकी इस आदत से परेशान हो जाते हैं.

परेशान हो जाते हैं विकी कौशल

विकी ने आगे कहा था, मुझसे ये प्रोसेस नहीं होता है. मैं जब सुबह सुबह उठता हूं तो मुझे दो घंटे लगते हैं उठने में. उठने के बाद पहले आराम से कॉफी, नाश्ता वगैरह लूंगा. सुबह वाला डिक्शन जो है ना मुझे उससे बचना पड़ता है.

विकी-कटरीना का वर्कफ्रंट

कटरीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को आखिरी बार साउथ अभिनेता विजय सेतुपति के साथ फिल्म 'मैरी क्रिसमस' में देखा गया था. ये पिक्चर जनवरी 2024 में रिलीज हुई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हो गई थी. जबकि विकी की आखिरी रिलीज फिल्म 'छावा' है. इसी साल फरवरी में रिलीज हुई ये पिक्चर ब्लॉकबस्टर निकली थी. इसने दुनियाभर में 800 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया था.

न्यूज फ्लैश

सिरमौर के हरिपुरधार में कहर बनकर टूटा भूस्खलन, मलबे में दबीं गाड़ियां

दिव्य दिल्ली :(सिरमौर)

सिरमौर जिले के हरिपुरधार क्षेत्र में आज सुबह एक बड़ा भूस्खलन हुआ, जिसने स्थानीय लोगों और यात्रियों के बीच हड़कंप मचा दिया। यह हादसा उस समय हुआ जब अचानक पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा टूटकर सड़क पर आ गिरा, जिससे वहां से गुजर रही कम से कम तीन गाड़ियां मलबे में दब गईं। हालांकि, इस भीषण दुर्घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है, जिसे एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए प्रशासन को सूचित किया, जिसके बाद राहत और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गया। जेसीबी मशीनों की सहायता से मलबा हटाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है, लेकिन लगातार हो रही बारिश और पहाड़ी से छोटे-बड़े पत्थरों का गिरना रेस्क्यू ऑपरेशन में बाधा उत्पन्न कर रहा है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि जब तक सड़क पूरी तरह से साफ नहीं हो जाती, तब तक इस मार्ग से यात्रा करने से परहेज करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। मौसम विभाग ने क्षेत्र में आगामी कुछ दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। यह घटना एक बार फिर से पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रा के दौरान अतिरिक्त सतर्कता और सावधानी बरतने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

नूरपुर अस्पताल में कंधे का बार बार खिसकना का हुआ सफल ऑपरेशन

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर के सिविल नागरिक अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ व एनेस्थीसिया की सयुंक्त डॉक्टरों की टीम ने एक जटिल और जोखिम भरे ऑपरेशन को प्रदेश मे सफलतापूर्वक अंजाम देकर जसूर क्षेत्र के काथल निवासी नरेश (40 वर्ष)को बचपन की बीमारी से राहत दिलाई है। नरेश को बचपन में कुश्ती खेलने के दौरान कंधे की चोट की समस्या पैदा हुई थी, जिसके कारण उसका कंधा बार-बार उतर जाता था।डाक्टरों की एक टीम को सीटी स्कैन की जांच में पता चला कि नरेश के कंधे की हड्डी की गहराई कम होने की वजह से यह दिक्कत हो रही थी। इसके बाद हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कार्तिक सैनी ने विशेष ह्यलटारजे ऑपरेशनह्ल करने का निर्णय लिया। यह ऑपरेशन काफी जोखिम भरा था, क्योंकि इसमें कंधों के साथ खून और करंट की नसों को नुकसान पहुंचने का खतरा था।आपरेशन में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉक्टर रिशु व रूहानी महाजन और ओटी स्टाफ का भी अहम योगदान रहा। डॉ कार्तिक ने बताया कि गत 4 महीने से मरीज का नियमित अंतराल के बाद चेक किया गया व पाया गया कि ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और अब नरेश का कंधा एक बार भी नहीं उतरा है।नरेश अपने दैनिक कार्यो के अलावा खेती के कार्य भी अब बिना परेशानी से कर रहा है।डॉ कार्तिक ने कहा ऐसे ऑपरेशन अमूमन मेडिकल कॉलेज या बड़े अस्पतालों में ही होते हैं और निजी अस्पतालों में इस पर लाखों रुपये का खर्च आता है।

सिविल हस्सालो की श्रेणी में प्रदेश में नूरपुर अस्पताल में ऐसा आपरेशन हुआ है।गौरतलब है कि नूरपुर में प्रति सप्ताह हड्डी व सर्जरी के बड़े आपरेशन किये जाते है।अभी तक यहां कुल्हा प्रत्यारोपण, घुटने प्रत्यारोपण के अलावा सर्जरी में 2 साल की बच्चे का अपेंडिक्स जैसे जटिल आपरेशन किये जा चुके है। उधर इस मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वह पूर्व कांग्रेस विधायक अजय महाजन ने इस ऑपरेशन पर डॉक्टरों की टीम को बधाई देते हुए कहा कि इनके मार्गदर्शन से प्रदेश में नूरपुर अस्पताल का भी रुतवा वढा है जिसका श्रेय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह उर्फसुखू सरकार को जाता है जिन्होंने हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को स्वास्थ्य सेवाओं का जनहित में काफी विकास प्रदेश में करवाया है'

सोलन में पेयजल संकट पर उबला जनाक्रोश, भाजपा ने जलशक्ति विभाग कार्यालय के बाहर किया जोरदार प्रदर्शन

दिव्य दिल्ली : सोलन

शहर में दिनोंदिन गहराता जा रहा पेयजल संकट अब विकराल रूप ले चुका है। इसी जनसमस्या को लेकर सोमवार को शहरी भाजपा मंडल ने रबौन स्थित जलशक्ति विभाग कार्यालय के बाहर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में भारी संख्या में भाजपा कार्यकताओं, स्थानीय नागरिकों, एवं पूर्व सांसद वीरेंद्र कश्यप ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन की अगुवाई भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने की। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और इस संकट को केवल "जल संकट" नहीं, बल्कि "व्यवस्था का संकट" करार दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, जलशक्ति मंत्री मुकेश अग्निहोत्री, और स्थानीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल पर भी तीखा हमला बोला। शैलेंद्र गुप्ता ने कहा, ह्लसोलन में अश्विनी खड्ड और गिरी नदी जैसी दो बड़ी पेयजल योजनाएं होने के बावजूद भी शहर प्यासा है। यह प्रशासनिक लापरवाही और विभागीय विफलता का नतीजा है। सालभर जल संकट बना रहता है। अब जनता का सब्र जवाब दे रहा है।ह्व प्रदर्शनकारियों ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी भेजा, जिसमें मांग की गई कि जलशक्ति और शहरी विकास विभाग के सचिवों की संयुक्त जांच समिति गठित की जाए।

समिति पूरे मामले की जांच करे, दोषी अधिकारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई हो और यदि कोई ठोस समाधान है तो उसे तुरंत लागू किया जाए। भाजपा नेताओं ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो पार्टी सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी। साथ ही, उन्होंने जलशक्ति विभाग के अधिकारियों पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए कहा कि विभागीय उदासीनता के कारण ही जनता को बार-बार पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता है। प्रदर्शन में उपमहापौर मीरा आनंद, राजेश कश्यप, धर्मेंद्र ठाकुर, पार्षद सुषमा शर्मा, रेखा साहनी, अमरदीप पांजा, सीमा, विवेक डोभाल, भरत साहनी, तरसेम भारती, अनिल कुमार, दिनेश शुक्ला, कृष्णा ठाकुर, राजू कुंद्रा, रचित साहनी, रेणु कलसी, संजय महाजन, गौरव राजपूत, बी.एन. बाली, अभिषेक ठाकुर, उर्मिला चौहान, शिशुपाल, नेहा, अजय धीमान, नरेश गांधी, श्यामा भटनागर, मनीष, राकेश मेहता, और अन्य अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गरीब बच्ची की मदद को आगे आए विधायक रणबीर, 20,000 रुपये की दी सहायता

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री रणबीर सिंह निक्का जी की नेक दिली के चर्चे यू ही नहीं होते घर घर कुछ बात तो है उनमे कोई न कोई होनर तोअवश्य है ' समाज में रहकर हर पीड़ित परिवार की मदद करना उनका रोज का कार्य है, नूरपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत ठेहड की छोटी बच्ची पीहू समकडीया पिता श्री संजय कुमार, यह बच्ची जन्म से ही एक बीमारी से पीड़ित थी और अब बच्ची 12 साल की हो गई है' बच्ची के इलाज में घर वाले काफी पैसे खर्च कर चुके हैं' पिता दिहाड़ी मजदूरी का काम करते हैं' विधायक महोदय को जब पारिवारिक सदस्य आज मिलने आए तव विधायक महोदय ने 20,000 रू. की राशि बच्ची के इलाज के लिए परिवार को तुरंत दे दी और परिवार से कहा कि बच्ची के इलाज के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष व मुख्यमंत्री राहत कोष से मदद करवाने की बात करेंगे' इस मामले में भाजपा विधायक रणवीर सिंह ने बताया कि पीड़ित परिवार को बेटी के इलाज के लिए हर प्रकार की संभव मदद करवाने के लिए खुद आगे आए 'सामाजिक नेता होने के बावजूद गरीबों की मदद करना उन्होंने अपने परिवार की संस्कृति की से सीखा है ' उन्होंने कहा कि समाज में हर प्रकार के लोग हैं वह भी इस मामले में बच्ची की मदद कर सकते हैं जिनके पिता संजय का मोबाइल नंबर 9596887584 इस पर भी संपर्क कर सकते

नशे के खिलाफ कार्यवाही में स्कूली छात्रों की महत्वपूर्ण सहभागिता

दिव्य दिल्ली : (सोलन)

नशे के खिलाफ कार्यवाही में स्कूली छात्रों की महत्वपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सोलन पुलिस के सभी राजपत्रित अधिकारियों द्वारा एक एक स्कूल को अडॉप्ट किया गया था तथा पुलिस अधीक्षक जिला सोलन द्वारा सुल्तानपुर सरकारी स्कूल को गोद लिया गया था, जिस सन्दर्भ में दिनांक 03.04.2025 को पुलिस अधीक्षक जिला सोलन, हि0 प्र0 द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, सुलतानपुर को गोद लेकर नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता फैलाने और छात्र छात्राओं में अकेडमिक्स, खेल कूद, एनसीसी,एनएसएस, स्वास्थ्य आदि के प्रति रुचि विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की शुरूआत की गई थी । इस अभियान का उद्देश्य छात्रों को नशे के खिलाफ दृढ़ संकल्पित बनाना तथा उनको इस सामाजिक बुराई से बचाना है। इसी कड़ी में आज दिनांक 15-07-2025 को पुलिस अधीक्षक सोलन द्वारा गोद लिए गए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, सुलतानपुर का दौरा किया गया तथा इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों के साथ वन टू वन संवाद किया गया जिसका लक्ष्य युवा पीढ़ी को सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना है । इस पहल के तहत, पुलिस विभाग द्वारा पाठशाला प्रबंधन से पाठशाला में नियमित रुप से जागरूकता कार्यक्रम, सेमिनार तथा साथ ही छात्रों को खेल और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर उनके व्यक्तित्व विकास पर भी बल देने बारे अनुरोध किया गया ।

छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य और भलाई को बढ़ावा देने हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

मोंटेसेरी कैम्ब्रिज स्कूल, राजा का बाग, नूरपुर में आज "छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य एवं भलाई को बढ़ावा देने" विषय पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।यह सत्र सीबीएसई के अनुभवी संसाधन व्यक्ति डॉ. शिवानी सिंह एवं श्री नवदीप भंडारी द्वारा संचालित
किया गया, जिन्होंने शिक्षकों को छात्रों की मानसिक भलाई सुनिश्चित करने हेतु व्यावहारिक उपायों एवं सटीक रणनीतियों से अवगत कराया।कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान, सहायक एवं सकारात्मक विद्यालयी वातावरण का निर्माण, तथा विद्यार्थियों के भावनात्मक विकास हेतु शिक्षकों की भूमिका पर विशेष बल दिया गया।इंटरैक्टिव चचाओं और वास्तविक जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को तनाव, चिंता एवं व्यवहार संबंधी समस्याओं को समझने और प्रभावी व सहानुभूतिपूर्ण ढंग से प्रतिक्रिया देने के तरीकों का प्रशिक्षण दिया गया।कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय रहा और मानसिक रूप से स्वस्थ, सुरक्षित एवं समावेशी विद्यालयी संस्कृति की ओर एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

आईडिया ऑफ भारत फाउंडेशन द्वारा मंडी में आपदा पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजी गई

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर हिमाचल प्रदेश के मंडी ज़िले में हाल ही में आई भारी वर्षा, भूस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई गाँवों में मकान गिर गए, सड़कों का संपर्क टूट गया, और सैकड़ों लोग विस्थापित हो गए। ऐसी विकट परिस्थिति में, आईडिया ऑफ भारत फाउंडेशन ने त्वरित रूप से राहत एवं सहायता पहुंचाने का कार्य किया है।फाउंडेशन के अध्यक्ष राहुल शर्मा के नेतृत्व में एक सक्रिय और समर्पित टीम ने राहत सामग्री एकत्र करने, पैकिंग, और उसे जरूरतमंदों तक पहुंचाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किया। संगठन ने मंडी के प्रभावित क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक कार्यकताओं के माध्यम से जरूरी वस्तुएं भेजी हैं। इन राहत सामग्रियों में साफ पीने का पानी, तिरपाल, बिस्तर, बर्तन आदि शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि, ह्लआपदा की इस घड़ी में पीड़ितों की मदद करना हमारा सामाजिक और मानवीय कर्तव्य है। आईडिया ऑफ भारत फाउंडेशन का यह प्रयास केवल राहत सामग्री पहुंचाना नहीं, बल्कि पीड़ितों के साथ संवेदनात्मक रूप से खड़ा होना भी है। हम चाहते हैं कि संकट की इस घड़ी में कोई अकेला महसूस न करे।

उन्होंने बताया कि इस राहत कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए युवाओं, समाजसेवियों और स्थानीय निवासियों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। नूरपुर के लोगों ने सामान और आर्थिक सहयोग भेजा। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने भी इस मानवीय पहल में हिस्सा लिया।

जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा, विकास कार्यों में तेजी के निर्देश

दिव्य दिल्ली : लाहौल

जनजातीय जिला उपायुक्त लाहौल स्पीति किरण भड़ाना ने सोमवार को जिला स्तर पर मंडे रिव्यू मीटिंग की तीसरी बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ जिला में विभिन्न मुख्य विकास कार्यों में हुई प्रगति व नए कार्यो को जल्द प्रारम्भ करने सबंधी दस्तावेजी प्रक्रियाओं की समीक्षा करना रहा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के माध्यम जिला में चल रहे 11 विकास कार्यो के बारे सबंधित विभागों से फीडबैक ली अधिकारियों ने बताया कि योजेना के तहत जिस्पा में पर्वतीय सस्थांन जिस्पा में प्रस्तावित छात्रावास का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। उन्होंने संबधित विभाग को प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के नए विकास कार्यो को डालने के लिए भी कहा। उन्होंने इस संस्थान में गेस्ट हाउस की मुरम्मत व सुधार कार्य करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में विद्युत विभाग से प्रधानमंत्री सूर्या घर योजना के बारे में अब तक हुई प्रगति के बारे जानकारी प्राप्त हुई विभाग ने बताया कि अभी तक 15 लोगों ने प्रधानमंत्री सूर्या घर योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन किया है उपायुक्त ने आमजनता को इस योजना के बारे में और अधिक जागरूक करने के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ उठा सकें। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को आगामी ग्राम सभा में इस योजना के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए भी कहा। उन्होंने बताया कि केलांग व आसपास के क्षेत्रों में सूखे व प्लास्टिक कूडे की समस्या के स्थाई समाधान के केलांग व तांदी पंचायत में सप्ताह में तीन दिन डोर टू डोर सूखा व प्लास्टिक कूडा एकत्रीकरण शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गीले कूडे से वर्मीकम्पोस्ट बनाने की योजना भी विचाराधीन है जिसमें कृषि विभाग का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने जिला के विभिन्न स्थानो पर पर्यटकों व आमजनात की सुरक्षा हेतु नदी नालों में जाने के लिए बने सम्पर्क मार्गो पर चेतावनी सूचक बोर्ड स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है जिसके इसी सप्ताह पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने आवारा कुतों की समस्या के समाधान के लिए कुतों की नसंबदी कार्य को जल्द प्रारम्भ करने के निर्देश सबंधित विभाग को दिए। बैठक में त्रिलोकीनाथ सड़क के सुधारीकरण पर भी चर्चा की गई लोक निर्माण विभाग के अधिकारिों ने बताया कि सितम्बर माह तक इस सड़क का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। बैठक में खंण्ड विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि पुस्ताकालय की स्थापना के लिए प्रारम्भिक स्तर पर व प्रयोगात्मक तौर पर गौशाल गांव का चुनाव किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकेंगी हिमाचल की बेटियाँ

दिव्य दिल्ली : (सिरमौर)

हिमाचल की दो होनहार बेटियाँ चीन में आयोजित होने वाले महिला एशिया कप सॉफ्टबाल प्रतियोगिता में प्रदेश और देश का परचम लहरायेंगी। सिरमौर के नौहराधार क्षेत्र की घंडूरी गांव की कृषिका और शिमला जिला के कोटखाई क्षेत्र की कविता का चयन 2025 महिला सॉफ्टबॉल एशिया कप के लिए भारतीय राष्ट्रीय महिला टीम में हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता आज से 20 जुलाई तक चीन के शी-आन शहर में आयोजित की जा रही है। कृषिका वर्तमान में जालंधर के एक महाविद्यालय में पढ़ाई कर रही हैं। उनके पिता राकेश कुमार बीएसएफ में सेवारत हैं और माता तृप्ता ठाकुर गृहिणी हैं। बेटी की इस उपलब्धि पर तृप्ता ठाकुर ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर गर्व है। उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कृषिका को मेहनत, आत्मविश्वास और सपनों की उड़ान के लिए प्रेरित किया है। वहीं, कविता एक निजी विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं। उनके पिता का पहले ही निधन हो चुका है और माता प्रोमिला देवी गृहिणी हैं।

नूरपुर अस्पताल में भी अब कैंसर के इलाज के लिए शुरू होगी कीमोथेरेपी

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

प्रदेश के नागरिक जन अस्पताल नूरपुर में भी आम लोगों की सहूलियत के लिए कैंसर के इलाज की सुविधा शुरू की जा रही है। इस सुविधा के शुरू होने से अब या इसके आसपास के क्षेत्र से लगी प्रदेश की आधी दर्जन विधानसभा क्षेत्र के लोगों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज के लिए अब दूर-दराज के शहरों में या फिर मेडिकल कालेज टांडा के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। फिलहाल निचले क्षेत्र की जनता के लिए यह सुविधा एक बड़ी राहत लेकर आई है। इस विषय पर जानकारी साझा करते हुए डॉ सन्नी धीमान ने बताया कि इसकी अधिक जानकारी के लिए लोग स्वास्थ्य विभाग या स्थानीय अस्पताल से संपर्क कर सकते हैं तथा साथ ही कैंसर के इलाज से संबंधित सरकारी योजनाओं और सहायता के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

शाहनहर परियोजना के नीचे अवैध रास्ता आरसीसी दीवार से बंद, विधायक पठानियां ने दी जानकारी

दिव्य दिल्ली : (कांगड़ा)

जिला कांगड़ा की फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मंड क्षेत्र में स्थित प्रदेश की सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना शाहनहर परियोजना के नीचे से बार-बार खोला जा रहा अवैध रास्ता अब स्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। यह रास्ता खनन माफिया द्वारा रेत और बजरी के अवैध परिवहन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। हाईकोर्ट के आदेशों के बाद जल शक्ति विभाग ने अब इस मार्ग को पक्की आरसीसी दीवार लगाकर सील कर दिया है। इस कार्य की जानकारी फतेहपुर के विधायक एवं राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानियां ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दी है। उन्होंने बताया कि अब यह अवैध रास्ता पूरी तरह से बंद कर दिया गया है और यदि भविष्य में कोई इसे खोलने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी आपराधिक धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। विधायक पठानियां ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अपनी जमीनें लालच में देकर खनन माफियाओं को न सौंपें, अन्यथा उन्हें भी कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पैसे के लालच में कुछ लोग अपनी जमीन पर अवैध खनन करवा रहे हैं, जिससे पूरे गांव की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। ऐसे लोगों को भी अब सावधान हो जाना चाहिए क्योंकि उनके खिलाफ भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने शाहनहर और उससे सटी जमीनों को हो रहे नुकसान पर कड़ा रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति अजय मोहन गोयल ने जल शक्ति विभाग के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन), प्रभाग संख्या-1, संसारपुर टैरेस को तत्काल प्रभाव से अन्य जिले में स्थानांतरित करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने जल शक्ति विभाग से आदेशों की अनुपालन रिपोर्ट भी तलब की है। इस मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई 2025 को निर्धारित की गई है। यह सख्ती उस जनहित याचिका के चलते आई है जो मंड क्षेत्र की सीमा देवी और अन्य ग्रामीणों द्वारा दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि संबंधित अभियंता अवैध खनन को रोकने में लापरवाही कर रहा है। याचिका के साथ संलग्न फोटोग्राफ और दस्तावेजों में भारी वाहनों की आवाजाही और नहर के नीचे बनाए गए अवैध रास्तों का विवरण भी शामिल था।

हटली जंबाला गांव में डिप्पर के पास मिला युवती का शव, क्षेत्र में शोक की लहर

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर प्रदेश की हटली जंबाला पंचायत मे मुरादा वाली माता के गहरे डिप्पर मे एक 22 साल की लड़की का शव पानी मे तैरते हुए दिखने पर क्षेत्र में शोक की लहर पनपी ' इसकी सुचना कुछ लोगो ने पंचायत प्रधान सुभाष को दी ' मोके पर जाकर सुभाष ने पुलिस को सूचित किया ' पुलिस थाना प्रभारी सुरिंदर धीमान तुरंत अपनी टीम लेकर घटना स्थल पर पहुँचे और इस मामले मे कानूनी कार्यवाही की ' शव को पुलिस कस्टडी मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए नूरपुर अस्पताल मे भेज दिया गया ' अस्पताल मे पोस्टमार्टम के वाद शव परिवार को संस्कार के लिए सोफ दिया गया ' लोगो से इस मामले मे पूछताछ के वाद शव की पुष्टि प्रियंका पुत्री नसीव सिंह निवासी हटली जंबाला नूरपुर जिला काँगड़ा हिमाचल प्रदेश के रूप मे हुई ' यह जानकारी देते हुए थाना प्रभारी सुरिंदर धीमान ने वताया कि 12जुलाई 2025को संदेश देवी पत्नी नसीव सिंह निवासी हटली जंबाला ने नूरपुर थाने मे दर्ज करवाई थी जिसमे 11, जुलाई 2025 को उसके घर से मिसिंग होने की वात कही गई थी ' पुलिस ने मोके पर प्रधान सुभाष से इस मामले मे वातचीत की है '

यह मामला 194बी एन एस एस मे फिलहाल दर्ज किया गया है ' पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस अपनी अगली कार्रवाई करेगी ' प्रियंका के शव संस्कार गांव वासी व परिजनों कर दिया है ' उधर पंचायत प्रधान सुभाष का इस मामले में कहना है कि पंचायत के इस मुरादावाली मंदिर में हर साल कोई ना कोई मौत इस डिप्पर मे डूबने से होती है ' अभी हाल में कुछ दिन पहले एक व्यक्ति की मौत भी इसी डिप्पर डूबने से हुई थी ' इस मामले में पंचायत प्रधान ने नूरपुर एसडीएम से भी इस मामले में बात की है जिसमें उन्होंने ऐसी अप्रिय घटना को रोकने की भी नूरपुर प्रशासन से जनहित में आग्रह किया है कि प्रशासन इसमें ऐसा कदम उठाए ताकि भविष्य में कोई जनहानि ना हो ' उन्होंने कहा कि प्रशासन ने इस मामले में पूरा आश्वासन दिया है की जनहित में कोई कदम अवश्य उठाया जाएगा

डी ए वी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नगरोटा सूरीया ने रोलर स्केटिंग और योग मे आठ ओवरऑल ट्रॉफिया अपने नाम की

दिव्य दिल्ली : नगरोटा

डी ए वी स्पोर्ट्स क्लस्टर लेवल क्लस्टर 6 हिमाचल प्रदेश डी ए वी विद्यालय में सात स्कूलों ने जिनमे डी ए वी आलमपुर, बनखंडी ,तयारा, ,गोजू, मनेई, रैहन एवं डी ए वी नगरोटा सूरिया स्कूलों ने हिस्सा लिया ।जिनमें प्रमुख प्रतिस्पधाएं योग, बास्केटबॉल एवं रोलर स्केटिंग थी । बास्केटबॉल में डी ए वी नगरोटा सुरियाँ रनर अप रहा व आलमपुर विजेता रहा । रोलर स्केटिंग बॉयज अंडर 14 और अंडर19 कैटिगरी में विजेता रहा और अंडर 17 में रनर अप रहा । डी ए वी तियारा अंडर 17 में रन अप रहा। रोलर स्केटिंग अंडर 14 में नगरोटा सुरियाँ के मानिक महाजन , अंडर 17 में अर्श व अंडर 19 में सूर्यांश सिंह को बेस्ट प्लेयर चुना गया ।

रोलर स्केटिंग की ओवरऑल ट्रॉफी नगरोटा सुरियाँ ने अपने नाम की । योगा की ट्रॉफी भी नगरोटा सुरियाँ के नाम रही । बच्चों की इस कामयाबी पर स्कूल प्रधानाचार्य शेखर मोदगिल , चेयरमैन श्री आर सी जीवन, ए आर ओ डॉ . बिक्रम सिंह, मैनेजर डॉ. विपिन जिष्टू ने सभी विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com,